C M Y K

आज का विचार

अगर मेहनत से
दोस्ती करोगे,
तो
सफलता
खुद चलकर आएगी।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा

वर्ष-25 अंक-165 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

मोबाइल दुकान संचालक से पौने दो लाख की ठगी,पुलिस जांच में जुटी

बैकुण्ठपुर रविवार 6 जुलाई, 2025

मोहम्मद सिराज ने मचाया धमाल, 2 बॉल में लगातार जो रूट और बेन स्टोक्स को किया आउट

पहला कॉलम

संभल हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख की आर्थिक सहायता

संभल ,05 जुलाई (ए)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, संभल, उत्तर प्रदेश में दुर्घटना के कारण जानमाल के नुकसान से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। दरअसल, शुक्रवार शाम थाना जुनावई क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर जनता इंटर कॉलेज की दीवार से टकरा गई। सभी बोलेरो सवार संभल के ग्राम हरगोविंदपुर (थाना जुनावई) के रहने वाले थे। वे बिल्सी (जिला बदायूं) बारात लेकर जा रहे थे। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर जनता इंटर कॉलेज की दीवार से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही दूल्हे समेत 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

कुछ अलग

बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका का मर्डर, बाइक सवार अपराधियों ने सिर में मारी गोली; 6 साल पहले बेटे की भी हुई थी हत्या

पटना ,05 जुलाई (ए)। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार रात एक सनसनीखेज वारदात हुई, जहां गांधी मैदान थाना क्षेत्र में जाने-माने व्यवसायी गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना 4 जुलाई की रात करीब 11 बजे की है।

मिली जानकारी के अनुसार, गोपाल खेमका पनास होटल के पास स्थित अपने अपार्टमेंट के पास जैसे ही अपनी कार से उतरे, अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलीबारी कर दी। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही गांधी मैदान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है और एक गोली और एक खोखा बरामद किया है।

राजपुर रोड असोला में मिडिल स्कूल के सामने 41.5 डिसमिल जमीन प्रीकास्ट बाउन्ड्री किया हुआ तत्काल बेचना है।

सम्पर्क करें -
राकेश अग्रवाल
मो. 9977088562

खरी-खरी

18 साल बाद साथ आए उद्धव और राज ठाकरे, बोले- हिंदी थोपने की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे

- उद्धव - राज ठाकरे की संयुक्त विजय रैली
- स्कूलों में हिंदी की अनिवार्यता का विरोध
- महानगर पालिका चुनाव पर नजर

मुंबई, : महाराष्ट्र की प्राथमिक कक्षाओं में हिंदी की अनिवार्यता समाप्त करने के निर्णय पर शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की संयुक्त विजय रैली मुंबई के वरली स्थित नेशनल स्पो?ट्र्स कॉम्प्लेक्स के डोम में आयोजित की गई।

स रैली में दोनों दलों के नेता उद्धव और राज ठाकरे करीब १८ साल बाद एक साथ एक मंच पर दिखाई दिए। सभी दलों को न्योता दिया गया था, लेकिन कांग्रेस ने दूरी बनाने का फैसला किया है।

राज ठाकरे ने अपने संबोधन में कहा कि आप किसी पर हिंदी नहीं थोप सकते हैं। आप ऐसा सिर्फ इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि आप सत्ता में है। यह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का काम है, जिसने हम दोनों भाइयों को साथ ला दिया है।

राज ने आगे कहा- हमारे लिए सबसे पहले महाराष्ट्र है। यदि कोई महाराष्ट्र की तरफ तिरछी नजर से देखेगा, तो उसे पहले हमारा सामना करना होगा। हिंदी बोलने वाले हमारे यहां रोजगार के लिए आते हैं। हिंदी बोलने वाले राज्य का विकास नहीं कर सकते हैं।

मराठी के लिए हम साथ आए: उद्धव

इसके बाद उद्धव ठाकरे ने अपने संबोधन में भाजपा को निशाने पर लिया। कहा कि भाजपा अफवाह फैलाने वाली पार्टी है। भाजपा हमें हिंदुत्व का पाठ न पढ़ाए। हमने न कभी हिंदुत्व छोड़ा था, न छोड़ेंगे। हिंदी के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री दादा भुसे मेरे पास आए और मुझसे उनकी बात सुनने का अनुरोध किया। मैंने उनसे कहा कि मैं आपकी बात सुनूंगा लेकिन राजी नहीं होऊंगा। मैंने उनसे पूछा कि उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के लिए तीसरी भाषा क्या होगी। सभी हिंदी भाषी राज्य हमसे पीछे हैं और हम सभी हिंदी भाषी राज्यों से आगे हैं, फिर भी हमें हिंदी सीखने के लिए मजबूर किया जा रहा है। क्यों? - राज ठाकरे

दोनों दल इस रैली को किसी राजनीतिक रंग से दूर प्रचारित करने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन साफ माना जा रहा है कि मराठी विजय के नाम पर हो रही इस रैली का उद्देश्य कुछ ही महीनों बाद होने वाले मुंबई महानगरपालिका सहित अन्य स्थानीय निकाय चुनावों में मराठीभाषियों को एकजुट करना है। मराठीभाषियों की एकजुटता को उभारने के लिए ही पिछले कुछ दिनों से शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के कार्यकर्ता गैरमराठीभाषियों के साथ मारपीट कर रहे हैं। हालांकि, उनकी इस हिंसा का भाजपा और कांग्रेस की ओर से विरोध भी हो रहा है।

भाजपा मंत्री नीतेश राणे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के लोग सिर्फ गैरमराठी हिंदुओं के साथ मारपीट कर रहे हैं। उनमें हिम्मत है तो भिंडी बाजार और नल बाजार जैसे मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में जाकर मराठी न बोलने वाले मुस्लिमों के साथ मारपीट करके दिखाएं।

दलाईलामा ने कर डाली बड़ी भविष्यवाणी, अभी 40 साल और जिंदा रहूंगा, मुझ पर है इनकी कृपा

नई दिल्ली ,05 जुलाई (ए)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो के 90वें जन्मदिन से एक दिन पूर्व शनिवार को उनके दीघार्यु की कामना के लिए दो दिवसीय विशेष धार्मिक प्रार्थना समारोह की शुरूआत मैक्लोडगंज स्थित मुख्य तिब्बती मंदिर त्सुगलाखंग में हुई। इस अवसर पर दलाई लामा ने अपने संबोधन में कहा, कई भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि अवलोकितेश्वर की कृपा मुझ पर है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और आगे भी 30झ्40 साल तक जीने की आशा करता हूं। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं।

उन्होंने कहा कि भले ही तिब्बतवासी निर्वासन में जीवन जी रहे हैं, लेकिन भारत में रहते हुए उन्होंने अनेक लोगों की सेवा और कल्याण के लिए कार्य किया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि वे जब तक संभव होगा, जीवों की भलाई के लिए समर्पित रहेंगे। समारोह में केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (ष्टञ्ज) द्वारा समस्त तिब्बती समुदाय की ओर से दीघार्यु प्रार्थना अर्पित की गई। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, हॉलीवुड अभिनेता व तिब्बत समर्थक रिचर्ड गेरे, और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। तिब्बती मूल के विभिन्न बौद्ध सम्प्रदायों के धार्मिक नेताओं ने भी समारोह में भाग लिया और दलाई लामा की दीघार्यु के लिए प्रार्थनाएं कीं। लगभग 9:45 बजे दलाई लामा मंदिर पहुंचे, जहां उम्रजनित कमजोरी के बावजूद वे प्रसन्नचित्त दिखाई दिए और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कई बार रुके। हालांकि दलाई लामा का जन्मदिन ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 6 जुलाई को आता है, लेकिन तिब्बती पंचांग के अनुसार यह विशेष जन्मोत्सव 30 जून से धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है। समारोह में पूरे विश्व से श्रद्धालु जुटे हैं।

जमशेदपुर : अमूल दूध के गोदाम में लगी भीषण आग, सब कुछ जलकर खाक

जमशेदपुर ,05 जुलाई (ए)। जमशेदपुर के मानगो सिमुलडांगा इलाके में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। एमजीएम थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-33 (एनएस-33) के किनारे स्थित अमूल दूध के एक बड़े गोदाम में सुबह लगभग 7 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और आस-पास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट से आग लगी, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि करीब दो किलोमीटर दूर से दिख रही थीं। आग लगने की खबर मिलते ही एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया गया। थोड़ी ही देर में दमकल की कई गाडि ?ां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू हुआ, जो करीब दो घंटे तक यानी सुबह 9 बजे तक चलता रहा।

गोदाम में कई लीटर दूध और बड़ी मात्रा में दुग्ध उत्पाद स्टोर किए गए थे, जिनकी कीमत लाखों रुपये में बताई जा रही है। आग ने सब कुछ जलाकर खाक कर दिया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन आर्थिक नुकसान काफी भारी माना जा रहा है। घटनास्थल पर पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता दीपक रंजीत ने बताया कि यह गोदाम गुजराती सहकारी दूध वितरण संघ लिमिटेड के अंतर्गत संचालित होता है और इसका क्षेत्रफल लगभग एक एकड़ में फैला हुआ है।

जम्मू कश्मीर : रामबन में अमरनाथ यात्रियों की बसें आपस में टकराई, 36 तीर्थयात्री हुए घायल

श्रीनगर ,05 जुलाई (ए)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार को अमरनाथ तीर्थयात्रा के काफिले में शामिल तीन बसें आपस में टकरा गईं, जिसमें 36 तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ये बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रही थीं। हादसा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकोट के पास हुआ।

दुर्घटना का कारण एक बस के ब्रेक फेल होना बताया गया है। ब्रेक फेल होने के कारण उस बस ने आगे चल रही दो अन्य बसों को टक्कर मार दी। घटना के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। जिन बसों को नुकसान पहुंचा, उन्हें नई बसों से बदला गया और यात्रा फिर से शुरू कर दी गई।

रामबन के डिप्टी कमिश्नर ने 'एक्सइ पर लिखा, पहलगाम काफिले के आखिरी वाहन ने नियंत्रण खो दिया और चंद्रकोट लंगर स्थल पर खड़े वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे चार वाहन क्षतिग्रस्त हुए और 36 यात्रियों को मामूली चोटें आईं। घटनास्थल पर मौजूद जिला प्रशासन ने घायलों को तुरंत डीएच रामबन अस्पताल पहुंचाया। यात्रियों को बाद में अन्य वाहनों से आगे की यात्रा पर भेजा गया।

6,979 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हो चुका है। इसमें 5,196 पुरुष, 1,427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु-साध्वियां और एक ट्रांसजेंडर शामिल हैं। ये सभी तीर्थयात्री दो अलग-अलग काफिलों में सुबह 3.30 बजे से 4.05 बजे के बीच भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुए। 4,226 तीर्थयात्री 161 वाहनों में सवार होकर 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जबकि 2,753 तीर्थयात्री 151 वाहनों में सवार होकर 14 किलोमीटर लंबे छोटे लेकिन अधिक ढलान वाले बालटाल मार्ग की ओर रवाना हुए। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को आधिकारिक तौर पर शुरू हुई थी और नौ अगस्त को रक्षाबंधन के दिन इसका समापन होगा।

दिल्ली-एनसीआर में 6 जुलाई को येलो अलर्ट, पूरे सप्ताह बरसात के आसार, पारा नहीं जाएगा 34 डिग्री के पार

नोएडा ,05 जुलाई (ए)। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में मानसून ने दस्तक दे दी है और अब मौसम विभाग (आईएमडी) ने 6 जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 6 जुलाई को दोपहर, शाम और रात में गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने की संभावना है। साथ ही तेज हवाएं चलेंगी और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं।

6 जुलाई के लिए मौसम विभाग ने विशेष चेतावनी दी है कि दिन भर हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की घटनाएं दर्ज हो सकती हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि अभी तक किसी प्रकार की गंभीर चेतावनी (रेड या ऑरेंज अलर्ट) नहीं दी गई है। 6 जुलाई को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाएगा। इस दिन ह्यूमिडिटी का स्तर सुबह 85 प्रतिशत और शाम को 65 प्रतिशत के आसपास रहेगा, जिससे मौसम में भारी उमस बनी रहेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक 7 जुलाई को आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा और मध्यम बारिश की संभावना है। कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। वहीं 8 से 10 जुलाई के बीच भी गरज के साथ बारिश या तूफानी वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री के आसपास रहेगा।

सांस्कृतिक संबंधों के लिए दूरी कोई बाधा नहीं, अर्जेंटीना में भव्य स्वागत पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली ,05 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सांस्कृतिक संबंधों के लिए दूरी कोई बाधा नहीं है। यह बात उन्होंने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे और पारंपरिक स्वागत के बाद कही।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, सांस्कृतिक जुड़ाव के मामले में दूरी कोई बाधा नहीं है! ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर, भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है।

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से मोदी-मोदी, जय हिंद और भारत माता की जय के नारों के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप दिखी। वहां मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी से ऑटोग्राफ भी लिया।

बता दें कि पीएम मोदी की यह अर्जेंटीना यात्रा 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को दशार्ती है। पीएम मोदी राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंत्रण पर अर्जेंटीना पहुंचे हैं। दोनों नेताओं के बीच आखिरी मुलाकात नवंबर 2024 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी।

इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अर्जेंटीना के राष्ट्रीय नायक जनरल जोस डी सैन मार्टिन की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा और राष्ट्रपति माइली के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी, जिसके बाद उनके सम्मान में दोपहर का भोजन आयोजित किया जाएगा।

यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को गहरा करना है। अर्जेंटीना की यात्रा के बाद पीएम मोदी ब्राजील जाएंगे, जहां वे ब्रासीलिया की द्विपक्षीय यात्रा करने से पहले रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद वे नामीबिया जाएंगे, जो उनकी यात्रा का अंतिम पड़ाव होगा।

अपने वॉर्डरोब में शामिल करें टाइमलेस ड्रेसेज, ज्वैलरी और फुटवियर्स

हर किसी की चाहत होती है कि उसका वॉर्डरोब फैशनेबल ड्रेसेज और एसेसरीज से भरा रहे। अपने वॉर्डरोब को फुल करने के चक्कर में लोग अक्सर भूल जाते हैं कि फैशन का ट्रेंड बदलता रहता है। ऐसे में सबसे बेस्ट ऑप्शन यह है कि एक टाइमलेस वॉर्डरोब के बारे में सोचा जाए।

फैशन ट्रेंड की भविष्यवाणी थोड़ा मुश्किल काम है। आज जो ट्रेंड है, वह कल होगा या नहीं, इसके बारे में पूरी तरह से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन यह भी पूरी तरह से सच नहीं है कि आप लिटेस्ट फैशन को जज न कर सकें। वैसे भी कुछ बेसिक आइटम्स की जरूरत हमेशा बनी रहती है। इन्हें अपने वॉर्डरोब में शामिल करके अपने वॉर्डरोब को फैशनेबल बना सकती हैं। आप अपने वॉर्डरोब में कुछ टाइमलेस ड्रेसेज, ज्वैलरी और फुटवियर्स शामिल करें, ये आपके काम आएंगे।

वाइट शर्ट

फैशन डिजाइनर सौमित्र कुमार की मानें, तो वॉर्डरोब के लिए वाइट टेलर्ड शर्ट सबसे जरूरी है। दरअसल, वाइट शर्ट या टॉप के साथ कुछ भी मैच करके पहना जा सकता है। वाइट शर्ट के साथ कोई भी एसेसरीज आसानी से मैच हो जाती है। आप चाहे तो वाइट शर्ट में डिफरेंट कट्स, स्टाइलिश स्लीव्स या फंकी कॉलर्स डिजाइन करवा सकती हैं। वहीं, फैब्रिक में सिल्क, शिफॉन व जॉर्जेट टेक्सचर ट्राई करें। इन फैब्रिक्स में फिटिंग भी बहुत अच्छी आती है और इन्हें हर सीजन में पहना जा सकता है।

शिफ्ट ड्रेसेज

अक्सर लड़कियां किसी ओकेजन को ध्यान में रखकर ड्रेसेज परचेज करती हैं। यही वजह है कि अगर उन्होंने फॉरमल ओकेजन के लिए ड्रेस ली है, तो वह उसे नाइट पार्टी में पहनना बिल्कुल पसंद नहीं करती हैं। ऐसे में शिफ्ट ड्रेसेज बेस्ट ऑप्शन हैं। इन्हें आप डे व नाइट दोनों मौकों पर पहन सकती हैं। दरअसल, एक सिंपल ड्रेस से भी मैजिक क्रिएट किया जा सकता है। जरूरी यह है कि उसे स्मार्टनेस के साथ कैरी किया जाए। शिफ्ट ड्रेसेज पहनने से फेमिनिन लुक तो आता ही है तथा इन्हें कैरी करके आप और भी ज्यादा स्टाइलिश लग सकती हैं।

जैकेट

यदि आप एक ही ड्रेस पहनकर बोर हो गई हैं तो जैकेट के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। इन दिनों मिलिट्री जैकेट ट्रेंड में है। इन्हें आप सॉलिड कलर्स में ले सकती हैं। इससे आपको क्लासिक लुक मिलेगा। यदि आप नाइट आउट पर जा रही हैं तो शाइनी जैकेट बेस्ट ऑप्शन है। इसे आप लेगिंग्स के साथ मैच करके पहन सकती हैं। इससे आपको पूरा पार्टी लुक मिलेगा और आप काफी ग्लैमरस लगेंगी।

ब्लैक ड्रेसेज

कोई भी वॉर्डरोब ब्लैक ड्रेसेज के बिना कम्प्लीट नहीं होता है। इसे किसी भी ओकेजन पर पहना जा सकता है। चाहे आप स्लिम दिखना चाहती हों या अपने लुक में क्विक चेंज चाहती हों, ब्लैक ड्रेस के साथ हल्की-फुल्की ज्वैलरी कैरी करें। इसका मिक्स एंड मैच स्टाइल से खुद को डिफरेंट लुक दिया जा सकता है। ब्लैक ड्रेस के साथ सिल्वर ज्वैलरी बहुत फबती है। आप इनके साथ अपने वॉर्डरोब में ट्रेंडी शूज भी शामिल कर सकती हैं। इनके कलर सीजन के मुताबिक चुनें। इन्हें आप सिल्वर, गोल्ड और प्लेन ब्लैक में चुन सकती हैं। यह आपकी पर्सनैलिटी पर खूब फबेगा।

जींस

हर किसी के पास एक पेयर जींस होना लाजिमी है, लेकिन उसका फिट होना भी बहुत जरूरी है। फैशन डिजाइनर सौम्या अरोड़ा कहती हैं, जींस हर ऐज में और हर ओकेजन में पहन सकती हैं। यह जरूरी नहीं है कि जींस ब्रांडेड ही हो। आप जींस के साथ खूब एक्सपेरिमेंट भी कर सकती हैं। अगर आप कैजुअल आउटिंग पर जा रही हैं, तो इसके साथ बैगी टी-शर्ट व स्नीकर्स पहन सकती हैं। यदि आप को पार्टी में जाना है तो जींस के साथ स्टाइलिश टॉप और हाई हील्स ट्राई कर सकती हैं। यह ध्यान रखें कि जींस की क्वॉलिटी अच्छा हो।

पर्ल

जिस तरह डायमंड हर एज ग्रुप के लिए परफेक्ट है। वैसे ही पर्ल भी कभी फैशन से आउटडेटेड नहीं होते हैं। आप एसेसरीज में पर्ल नेकलेस या बैंगल्स जरूर रखें। इन्हें आप हर तरह के आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं। अगर आप रियल पर्ल नेकलेस पसंद नहीं करती हैं तो फेक नेकलेस खरीद सकती हैं।

आपके लिए क्यों जरूरी शॉपिंग डिटॉक्स

शॉपिंग डिटॉक्स से सिर्फ पैसों की ही बचत नहीं होती, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं।

महिलाओं के सामने जब भी शॉपिंग का नाम लिया जाता है, तो उनके चेहरे पर एक गजब की मुस्कान छा जाती है। कई बार हम जरूरी चीजों को खरीदने के लिए शॉपिंग करते हैं। वहीं जब कभी मूड ऑफ होता है तो खुद को पैम्पर करने या फिर फील गुड के लिए भी महिलाएं शॉपिंग करना पसंद करती हैं। खासतौर से, टेक्नोलॉजी की दुनिया में फोन की स्क्रीन को स्क्रॉल करते हुए शॉपिंग करना और भी ज्यादा आसान हो गया है।

हालांकि, इस तरह अक्सर हम उन चीजों को भी खरीद लेते हैं, जिनकी हमें वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बस हमें वह आइटम देखने में अच्छी लगती है और हम यह सोचते हैं कि इसका इस्तेमाल हम किसी ना किसी रूप में अवश्य कर लेंगे। लेकिन अमूमन ऐसा होता नहीं है और काफी सारे पैसे यूं ही बर्बाद हो जाते हैं।

यकीनन आप भी अक्सर इंपल्सिव शॉपिंग करती होंगी या फिर मार्केट जाकर खुद को खरीदारी करने से रोक नहीं पाती होंगी। अगर शॉपिंग करना आपको खुशी देता है या फिर आप केवल खुद को फील गुड करवाने के लिए शॉपिंग करती हैं तो अब वक्त आ गया है कि आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनें। इससे आपको कई फायदे मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि क्या है शॉपिंग डिटॉक्स और आपके लिए किस तरह हो सकता है लाभदायक-

क्या है शॉपिंग डिटॉक्स

जिस तरह जब हमारी बॉडी में टॉक्सिन बढ़ जाते हैं तो हम बॉडी को डिटॉक्स करते हैं। ठीक उसी तरह, अगर शॉपिंग के कारण आपकी लाइफ टॉक्सिक होने लगी है तो शॉपिंग डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है। शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप एक तय समय के लिए खुद पर ही लगाम लगाते हैं और खुद को बेवजह की शॉपिंग करने से रोकते हैं। यह आपके लिए फाइनेंशियली व मेंटली तौर पर कई मायनों में लाभदायक है।

पैसों की बचत

जब आप शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता चुनते है तो इसका सबसे पहला और सीधा लाभ यह होता है कि इसकी वजह से आपकी काफी सारी पैसों की बचत होती है। अगर आपको हर दूसरे-तीसरे दिन शॉपिंग करने की आदत है तो यकीनन आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अनावश्यक चीजों को खरीदने में खर्च कर देती होंगी। लेकिन शॉपिंग डिटॉक्स के दौरान आप अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बेहद आसानी से बचा पाती हैं।

बेवजह तनाव से मुक्ति

कुछ महिलाओं को ऐसा लगता है कि शॉपिंग से उन्हें खुशी मिलती है। लेकिन वास्तव में, जब आप शॉपिंग करके बेवजह पैसे खर्च करते हैं तो महीने के अंत में आपको तनाव होता है, क्योंकि जरूरी खर्चों के लिए भी आपके पास पैसे नहीं बचते हैं। वहीं, अत्यधिक शॉपिंग से आपका बजट पूरा बिगड़ जाता है। लेकिन जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो आपके काफी सारे पैसों की बचत होती है, जिससे बेवजह तनाव से मुक्ति मिलती है और अंततः आप अधिक हैप्पी महसूस करते हैं।

खुशियों के रास्ते

कुछ महिलाओं की आदत होती है कि वह खुद को लो फील करने पर शॉपिंग करती हैं। शॉपिंग करने से उन्हें फील गुड होता है और वह अधिक हैप्पी महसूस करती हैं। हो सकता है कि थोड़े पैसे खर्च करके खुशी प्राप्त करने में आपको शायद कोई बुराई नजर ना आती हो। लेकिन हैप्पीनेस के लिए शॉपिंग पर निर्भर रहना सही नहीं है। जब आप शॉपिंग डिटॉक्स करते हैं तो कुछ वक्त के लिए आपको एंग्जाइटी महसूस होती है। लेकिन लगातार ऐसा करने से आपकी निर्भरता शॉपिंग से कम होती है और आप खुद को खुश रखने के लिए कुछ अतिरिक्त रास्ते खोज लेती हैं।

सेल्फ कंट्रोल

कहते हैं कि किसी भी चीज की अति क्षति का कारण बनती है। ऐसा ही कुछ आपकी शॉपिंग की आदत के साथ भी होता है। अगर आपको शॉपिंग करना इतना अच्छा है कि आप चाहकर भी खुद को रोक नहीं पाती हैं, तो ऐसे में आपको शॉपिंग डिटॉक्स का रास्ता अपनाना चाहिए। इसका लाभ यह होता है कि इससे आपको सेल्फ कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इस तरह, आप बाहरी चीजों के हाथ में नहीं होते हैं, बल्कि अपनी सुविधानुसार उन्हें हैंडल करना सीख जाते हैं।

प्रकृति और महिलाएं एक-दूजे की पर्याय

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है।

लगातार बढ़ता तापमान, सूखते जलस्रोत और प्रदूषित होता वायुमंडल यह सब संकेत हैं कि आने वाला समय और भी कठिन संकट ला सकता है। तो क्यों ना संभलते हुए इन सब समस्याओं से निकलने के प्रयास किए जाएं क्योंकि छोटे-छोटे प्रयास ही सार्थक होकर किसी बड़े कार्य को पूर्ण करेंगे। शायद पर्यावरण बचाव के यज्ञ में हर एक का योगदान एक-एक आहुति से कम न हो।

एक वृक्ष पहल

हमारे देश में प्रकृति व पृथ्वी को मां का ही दर्जा दिया है। सिर्फ इसलिए कि वे अपने पुत्रों व परिवार के संरक्षण के लिए समर्पित हैं इसलिए क्यों न हम अपने परिवार में एक ऐसी संस्कृति को पनपाएं जो प्रकृति के संवर्धन में भी जुटे और अपने पारिवारिक उत्सव को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ सके। इसमें एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में परिवारजनों का जन्मदिन हो सकता है परिवार के प्रत्येक व्यक्ति के जन्मदिन के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण कर पृथ्वी के उस कर्ज की मुक्ति का रास्ता भी खोला जा सकता है। जिसमें हमने जो कुछ प्रकृति से लिया है या लेंगे उसकी वापसी का रास्ता भी बन सके। इससे प्रकृति प्रेम भी पनपेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए संस्कार भी तैयार होंगे। इसी तरह परिवार के अन्य कार्यों जैसे शादी, ब्याह, मुंडन इन सभी को पर्यावरण के किसी कार्य से जोड़ लेना चाहिए। ऐसा ही करके शायद हम अपनी प्रकृति को बचा पाएंगे और आने वाली पीढ़ी को अपनी परंपराओं का हिस्सा बना पाएंगे।

बिन पानी सब सून

बूंद-बूंद पानी की तरस को इस वर्ष तकरीबन 11 राज्यों के 33 करोड़ लोगों ने देखा है। सबसे बुरे हालात महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं कर्नाटक के गांवों में रहे, जहां गांव के गांव पलायन करने को मजबूर हो गए। यहां तक की गले तर करने तक के लिए रेल के जरिए पानी को भेजा गया। यदि इसी तरह के हालात रहे तो यह सभी के लिए दुखदायी होगे। इसलिए हम सभी को यह सोचना होगा कि जब पानी के बिना सब सूना है तो क्यों न बूंद-बूंद से ही घट भरा जाए। जब तक हम सचेत नहीं होंगे तब तक और किसी को नहीं सिखाया जा सकता है। तो क्यों न इस पानी बचाव की शुरुआत घर से ही प्रारंभ की जाए। घर के हर सदस्य को पानी की बचत के साथ पानी को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने होंगे तभी तो हम इसका संरक्षण कर पाएंगे।

महिलाओं का योगदान

इतिहास को खंगाले तो ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा, पर्यावरण की रक्षा में हमेशा से महिलाओं को ही अग्रणीय पाया गया है। विश्व प्रसिद्ध चिपको आंदोलन की प्रणेता गौरा देवी गांव की सरल महिला थी, जिसकी वन वृक्ष की लड़ाई विश्व प्रसिद्ध हुई।

आखिर पूरे हिमालय में वनों के प्रति यह संवेदनशीलता उस महिला को ही क्यों भायी? वनों के पतन की पीड़ा ने उन्हें ही क्यों झकझोरा था? बात गौरा देवी की ही नहीं बल्कि राजस्थान के विश्नोई समुदाय की भी है, जहां महिलाओं ने पेड़ों पर चिपककर उनके काटने का विरोध किया था। आखिर नोबेल पुरस्कार विजेता अफ्रीका की मथाई को ही करोड़ों वृक्षों को लगाने की सुध क्यों आई। ऐसे ही अपने देश व विदेशों की बहुत-सी कहानियां हैं, जिनमें महिलाएं वृक्षों के प्रति गंभीर संवेदनशीलता दर्ज कर चुकी हैं। इतिहास गवाह है कि वन लगाने की बात हो या फिर इसको बचाने की मुहिम हो उस पर महिलाएं ही अग्रणी रही हैं। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा में सबसे पहले महिलाओं को ही याद किया जाता है ताकि उनके और प्रयास से हम आने वाले समय में भी कुछ बेहतर प्रयास कर सकें। असल में इसका कारण वृक्ष और महिलाओं की समान प्रवृतियां है। दोनों ही समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों के ही समान व्यवहार हैं। महिला और वृक्ष समाज के सृजन व बेहतरी के लिए बिना किसी शर्त के सदियों से सेवा में जुटे हैं। निस्वार्थता दोनों का मूल चरित्र है। इसलिए यह कहना कदापि अतिश्योक्ति नहीं होगी कि दोनों के बिना प्रकृति पृथ्वी और समाज अर्थविहीन व पंगु कहलाएगा। सच यह है कि मूल भाव से दोनों ही एक-दूसरे को समझते ही नहीं हैं बल्कि पूरक भी हैं और अगर ऐसा नहीं होता तो क्यों महिलाएं वनों व वृक्षों से ज्यादा बेहतर तालमेल रखतीं। यह स्वतः ऐसी प्रक्रिया है जिससे प्रकृति व प्रवृत्ति की समान झलक दिखाई देती है।

आपके पूरे घर को रीप्रेजेंट करता है लिविंग रूम

घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेजेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं।

जब आपके किसी के घर मेहमान बन कर जाते हैं तो उनका लिविंग रूम देखकर ही आप पूरे घर का अंदाजा लगा लेते हैं। वैसे ही जब कोई आपके घर आता है तो भी यही बात मायने रखती है। कहने का तात्पर्य यह है कि घर का लिविंग रूम वह कमरा होता है जो आपके पूरे घर को रीप्रेज़ेंट करता है। इसे सजाने के लिए आप अपनी पसंद की चीजें लगाते हैं, उसे अलग-अलग कलर स्कीम और पैटर्न्स से सजाते हैं। आपकी सजावट पर हमें कोई शक नहीं है बस हम आपके ज्ञान में थोड़ी वृद्धि कर रहे हैं कि कैसे आप अपने लिविंग रूम को और बेहतर बना सकती हैं।

- कंट्रॉस- लिविंग रूम में दीवारों पर कंट्रॉस कलर ट्राई करें या दो रंगों से दीवारों को रंगें। यह रूम को थोड़ा हटके लुक देगा। रंगों में लाइट-डार्क, ब्लैक-व्हाइट, रेड-व्हाइट का कॉम्बिनेशन ले सकते हैं। इन्हीं में से किसी कलर कॉम्बिनेशन को चुन कर आप पूरे कमरे के लुक को डिसाइड कर सकती हैं।
- फूलदान - लिविंग रूम की सेंटर टेबल पर फूलों का गुलदस्ता रखें। इसके लिए नकली फूलों के साथ विशेष अवसर पर प्राकृतिक फूलों का इस्तेमाल करें। यह लिविंग रूम को सजाने का सबसे आसान और सीमित बजट में निपटने वाला तरीका है।
- फोटो फ्रेम्स- अपने लिविंग रूम को क्लासी और इमोशनल टच देने के लिए दीवार पर अपनी फैमेली की फोटो लगा सकते हैं। चाहे तो पूर्वजों की तस्वीरों को भी लिविंग रूम में जगह दे सकते हैं। इससे निश्चित रूप से आपके लिविंग रूम में शांति और सौम्यता का वातावरण आ जाएगा।
- पर्दे- लिविंग रूम में पर्दे लगाएं लेकिन ध्यान रखें कि वे कमरे में आनेवाले प्राकृतिक उजाले को ना रोकें। आजकल पारदर्शी पर्दे चलन में हैं आप उन्हें इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर अगर कुछ अलग करना चाहती हैं तो क्रोशिए से बने पर्दे लगाएं। ये मनचाहे रंग में मिल जाएंगे और कमरे में अंधेरा भी नहीं करेंगे और आपका कमरा शानदार दिखेगा।
- सेटअप- अपने फर्नीचर और एसेसरीज का सेटअप बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करें। कमरा खचाखच भरा हुआ ना लगे इसका खास ध्यान रखें। अच्छी लाइटिंग स्कीम चुनें। इस बात का ध्यान रखें कि कमरा व्यवस्थित लगे। साफ-सुथरा हो।

फटाफट खबरें

वृद्धा को लगाई ढाई लाख की चपत

भोपाल हबीबगंज थाना इलाके में पैसे निकालने के लिए एटीएम बूथ पर पहुंची वृद्ध महिला का एटीएम कार्ड कार्ड मशीने में फंस गया। उस समय एक युवक ने उसकी मदद के बहाने जाल में फंसाकर उसके खाते से लाखो की रकम उड़ा दी। शातिर ने महिला की मदद के लिए अपने ही साथी का नंबर दे दिया। इसके बाद दोनों ने उसके कार्ड का क्लोन तैयार कर उसके बैंक एकांउट से करीब 2 लाख 46 हजार रुपए उड़ा दिए। मामला करीब पांच महीने पहले का है, लंबी जॉच के बाद पुलिस ने अब इस मामले में ठगी का प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

आईफोन ले उड़ा बदमाश

भोपाल, शहर के मंगलवारा थाना इलाके में एक होटल संचालक को सोशल मीडिया में कैंपेन कराने के लिए युवक की मदद लेना भारी पड़ गया। फरियादी होटल संचालक के मोबाइल से वीडियो शूट हुए थे। इन वीडियो को एडिट करने के बहाने से आरोपी उनसे फोन ले गया और वापस नहीं लौटा। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहने वाले पीयूष नागर ने बताया की उनका अयोध्या बायपास और इंद्रपुरी में कारोबार है।

मंत्रालय से रद्दी नहीं उठाने वाला ब्लैक लिस्ट

भोपाल, मप्र सरकार के मंत्रालय परिसर स्थिति पार्किंग से रद्दी नहीं उठाने वाली जबलपुर की फर्म मैसर्स दाता ट्रेडर्स को सामान्य प्रशासन विभाग ने काली सूची में डाल दिया है। फर्म को मप्र सरकार के किसी भी विभाग या उपक्रम में अगले तीन साल तक कोई काम नहीं मिलेगा। मप्र भंडार क्रम नियम के तहत फर्म द्वारा जमा की गई राशि भी राजसात कर ली गई है। मंत्रालय से निकलने वाली कागजी रद्दी को परिसर में स्थित मल्टीपार्किंग एवं पार्किंग में रखवाया जाता है। सामान्य प्रशासन विभाग ने रद्दी के उठाव के लिए मैसर्स दाता ट्रेडर्स जबलपुर से पिछले साल अगस्त में अनुबंध किया था।

जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक ने ली कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

अधिकारियों को सजगता और सतर्कता से कार्य करने दिए निर्देश

कोरबा, कोरबा जिले में शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी अधिकारियों को सजगता, सतर्कता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने और ऐसे स्थानों पर लोक शांति भंग करने वालों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम, एसडीओपी और थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोलिंग को सघन करें और अपने अधीनस्थ अमले को पूरी तरह से सक्रिय रखें। इसके साथ ही सूचना तंत्र को मजबूत बनाकर किसी भी संभावित समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर तत्काल किया जाए। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने कानून व्यवस्था को बनाए रखने हेतु सभी अधिकारियों को सतर्कता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने असामाजिक तत्वों और अवांछित गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उक्त बैठक में आपसी समन्वय, सूचना आदान-प्रदान और संयुक्त रणनीति के तहत कार्य करने पर बल दिया गया, ताकि जिले में शांति और कानून व्यवस्था प्रभावी रूप से बनी रहे। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, अपर कलेक्टर मनोज बंजारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सभी एसडीएम, एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तय समय में एडमिट कार्ड जारी नहीं कर पाया पीईबी, आज होनी थी परीक्षा

आबकारी विभाग में आरक्षक भर्ती परीक्षा टली...

भोपाल, मप्र में सरकारी भर्तियों के घोटाले और अनियमितताओं के लिए बदनाम पीईबी (प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड) का एक और कारनामा सामने आया है। इस बार पीईबी ने आबकारी विभाग में आरक्षक भर्ती की परीक्षा का टाइम टेबल तो जारी कर दिया, लेकिन परीक्षा के एक दिन पहले तक एडमिट कार्ड ही जारी नहीं कर पाया, जिससे अब यह परीक्षा टाली जा रही है।

बता दें कि पीईबी ने आबकारी आरक्षक भर्ती की परीक्षा कराने के लिए पहले 5 जुलाई का टाइम टेबल जारी किया था। इसके तहत परीक्षा का आयोजन दो शिफ्टों में किया जाना था। पहली शिफ्ट में सुबह 9 से 11 बजे तक परीक्षा होनी थी जबकि दूसरी शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 2.30 बजे से 4.40 बजे तक होनी थी। दरअसल, आबकारी विभाग में आरक्षक पदों की सीधी भर्ती व बैकलाग भर्ती परीक्षा 2024 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें 15 फरवरी से एक मार्च 2025 तक इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन करना था। इसके बाद 6 मार्च तक उम्मीदवारों को आवेदन में संशोधन का मौका दिया गया था। जबकि 5 जुलाई को इसका एग्जाम होना था। इसके बाद पात्र उम्मीदवारों का शरीरिक परीक्षण किया जाना था। बता दें कि आबकारी विभाग में आरक्षकों के 253 रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। इनमें 72 पद सामान्य, 26 ईडब्ल्यूएस, 75 ओबीसी, 36 एससी और 44 पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं।

इन शहरों में होगी परीक्षा

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा का आयोजन बालाघाट, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी और उज्जैन शहर में आयोजित की जाएगी। यह लिखित परीक्षा 100 अंकों की होगी। इसमें सामान्य व तार्किक ज्ञान के 40 अंक, बौद्धिक क्षमता व मानसिक अभिरुचि के 30 अंक और विज्ञान व सरल अंक गणित के 30 अंक निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा देने वाले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को जाति प्रमाण पत्र के साथ अन्य दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

जल्द घोषित की जाएगी परीक्षा की नई तारीख

पीईबी के जनसंपर्क अधिकारी विशाल जोशी ने बताया कि तकनीकी समस्याओं के कारण आबकारी आरक्षक भर्ती का एडमिट कार्ड जारी नहीं हो सका। ऐसे में परीक्षा की तिथि में बदलाव किया जा रहा है। जल्द ही परीक्षा की नई तिथि की घोषणा की जाएगी। पीआरओ ने आगे कहा कि जैसे ही आरक्षक भर्ती की पई परीक्षा के लिए तिथि का निर्धारण किया जाएगा, इसका टाइम टेबल पीईबी के पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा। उम्मीदवार पीईबी की बेवसाइट में जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे।

मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए करें सख्त कार्यवाही : जिलाधीश अजीत वसंत

कोरबा कोरबा जिले में अवैध मादक, नशीले पदार्थों की बिक्री और ड्रग तस्करी की रोकथाम के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। नारकोटिक्स को-आर्डिनेशन की बैठक में कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने जिले में मादक पदार्थों की उपलब्धता, उपयोग और बिक्री पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि मादक पदार्थों के उपयोग,बिक्री पर रोक लगाने के लिए विभागों के द्वारा लगातार छापामार कार्यवाही की जाए, तथा संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शैक्षणिक संस्थानों के आस-पास तथा प्रतिबंधित क्षेत्रों में तंबाकू, सिगरेट सहित अन्य मादक सामग्री किसी भी स्थिति में न बेची जाएं और नशीली वस्तुओं की बिक्री पर रोक लगाने के लिए राजस्व, पुलिस, नगर निगम तथा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी आपस में समन्वय कर संयुक्त कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री वसंत ने नारकोटिक्स को-आर्डिनेशन की बैठक में में निर्देश दिए कि सभी मेडिकल दुकानों में भीतर और बाहर कम से कम दो सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। कलेक्टर श्री वसंत ने निर्देशित किया कि यदि किसी दुकान में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त होती पाई गई, तो उसका गुमास्ता लाइसेंस निरस्त कर नियमानुसार दुकान को सील कर आवश्यक कार्यवाही की जाए। ड्रग इंस्पेक्टर को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस संबंध में सख्त कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि खाद्य एवं औषधि विभाग, नगर निगम, पुलिस, समाज कल्याण, शिक्षा, आदिवासी विकास, स्वास्थ्य और आबकारी विभाग मिलकर समन्वित अभियान चलाएं। उन्होंने जिले में शैक्षिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में मादक और तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लागू करने के निर्देश दिए। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने निर्देश दिए कि जिले में अवैध मादक पदार्थों और नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त पर सतत निगरानी रखते हुए सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उक्त बैठक में सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, एडिशनल एसपी, अपर कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार थाना प्रभारी, सहित सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

महाकाल भक्त मंडल कोरबा की चल रही भव्य तैयारियां

भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने सभा स्थल का किया निरीक्षण

कोरबा – श्री महाकाल भक्त मंडल कोरबा द्वारा आगामी धार्मिक आयोजन की तैयारियाँ पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ की जा रही हैं। इसी कड़ी में भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी सभा स्थल पहुंचे और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान मंडल के कोषाध्यक्ष और समिति के सदस्यगण भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर मंच व्यवस्था, साफ-सफाई, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, भंडारा स्थल, सुरक्षा और दर्शन मार्ग जैसी महत्वपूर्ण तैयारियों की जानकारी भाजपा जिला अध्यक्ष को दी।

भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में भक्ति, एकता और संस्कृति की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने मंडल को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। महाकाल भक्त मंडल कोरबा द्वारा भक्तों की सुविधा और सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्य लगातार मेहनत कर रहे हैं।

टीआईटी कॉलेज छात्राओ से रेप, ब्लैकमेलिंग, धर्म परिवर्तन दबाव बनाने का मामला

एएचआरसी की रिर्पोट-लापरवाह अफसरों पर विभागीय कार्रवाई की जाए

- पीड़िताओ को 5-5 और नाबालिग को दी जाये 6 लाख की सहायता
- पुलिस की जांच अधूरी और कमजोर, कई साक्ष्यो पर नहीं दिया ध्यान

भोपाल, राजधानी भोपाल में स्थित टीआईटी कॉलेज की छात्राओं के साथ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने के सनसनीखेज मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। इस मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सरकार और पुलिस पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा की संवेदनशील मामले में पुलिस की जांच अधूरी और कमजोर रही, कई सबूतों पर ध्यान नहीं दिया गया, और डायल-100 ने एक पीड़िता के फोन को गंभीरता से नहीं लिया गया वहीं कॉलेज परिसर में एंटी रैगिंग सेल जैसी व्यवस्थाएं भी नहीं मिलीं। आयोग ने यह भी कहा की क्लब-90 को अपराध में इस्तेमाल किया गया, जिसे बाद में बिना सूचना ध्वस्त कर दिया गया इसकी जॉच होनी चाहिये। आयोग ने मुख्य सचिव और डीजीपी को निर्देश दिए हैं, कि पूरे मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच कराई जाए और जांच में लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर विभागीय कार्रवाई की जाए।

इसके साथ ही आयोग ने मुख्यमंत्री सहायता कोष से पीड़ितों को जो 50 हजार रुपए की राशि दी जा रही है, उसके ऐवज में हर पीड़िता को 5-5 लाख और एक नाबालिग पीड़िता को 6 लाख रुपए देने का निर्देश भी दिया गया है। आयोग का कहना है कि इस मामले में सामने आए तथ्य बताते हैं, कि यह सिर्फ 'लव जिहाद' का मामला नहीं, बल्कि यौन शोषण, मानसिक प्रताड़ना, धर्मांतरण और मानव तस्करी जैसे अपराधों की संगठित श्रृंखला है। आयोग ने राज्य सरकार से कहा है कि वह पूरे मामले में गहराई से जांच करे और देशभर में फैले इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचे।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने जताई कड़ी नाराजगी, प्रशासन से मानवीय रवैया अपनाने की अपील

मनेन्द्रगढ़ जिला एनसीबी नगर पंचायत नई लेदरी में शुक्रवार को एसईसीएल और राजस्व विभाग द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान एक परिवार को छोटे-छोटे बच्चों और नातिन सहित घर से बाहर निकाल दिया गया। कार्रवाई के वक्त इलाके में तेज बारिश हो रही थी, ऐसी बारिश में परिवार कहां जाएगा रात कहां गुजरेगी,जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई एसईसीएल के मकान को खाली कराने के लिए की गई थी। प्रशासनिक अमले ने समारू के घर को खाली कराया घर में मौजूद उनकी नातिन व मासूम बच्चों को भी बाहर कर दिया गया। मकान से सामान निकालकर बाहर रख दिया गया

स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्रवाई के समय कोई वैकल्पिक व्यवस्था या पूर्व सूचना प्रभावित परिवार को नहीं दी गई थी। बारिश में छोटे बच्चों के साथ सड़क पर खड़े परिवार को देख लोगों की आंखें नम हो गईं,पूर्व विधायक गुलाब कमरों, ने कहा अमानवीय है यह कार्रवाई,पूर्व विधायक गुलाब कमरों घटना की जानकारी मिलते ही बेहद नाराज नजर आए। उन्होंने प्रशासनिक रवैये की तीखी आलोचना करते हुए कहा बारिश के बीच लोगों को बेघर करना अत्यंत दुखद और अमानवीय है। प्रदेश में भाजपा सरकार इसी तरह गरीबों को उजाड़ने का काम कर रही है। प्रशासन को कम से कम बरसात के मौसम में तो मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, प्रशासन से मांग की कि

ऐसी कठोर कार्रवाइयों पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही बेघर किए गए परिवार को तत्काल अस्थायी आश्रय और राहत प्रदान की जाए।स्थानीय लोगों में नाराजगी,इस कार्रवाई के बाद नई लेदरी के लोगों में भी प्रशासन के खिलाफ नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना था कि परिवारों को बेघर करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। बरसात के मौसम में इस तरह की कार्रवाई बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरा बन सकती है,पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने प्रशासन से यह भी अपील की है कि भविष्य में इस तरह की कार्रवाई बंद हो।

युक्तियुक्तकरण से रायपुर के सुदुरवर्ती स्कूलों में शिक्षक पदस्थापना से खिल उठे विद्यार्थी एवं ग्रामीणों के चेहरे

रायपुर मुख्यमंत्री के निर्देश पर किए जा रहे शासकीय विद्यालयों के युक्तियुंक्तिकरण की नीति का सकारात्मक प्रभाव धरातल पर परिलक्षित होने लगा है। रायपुर जिले के दरस्थ सुदुरवर्ती ग्रामों के शिक्षक विहिन/एकल शिक्षकीय विद्यालयों में युक्तियुक्तकरण के पश्चात शिक्षकों की पदस्थापना उपरांत शिक्षकों के कार्यभार ग्रहण से ग्रामवासियों एवं विद्यार्थीयों के बीच खुशी एवं उत्साह का माहोल निर्मित हुआ है। युक्तियुक्तकरण 2025 के तहत शास.प्रा.शाला धोवभट्ठी, नवीन प्राथमिक शाला नवीन प्रा.शाला अमोदी , शास.प्रा.शाला बजरंग भाठा, शास.प्रा.शाला कुलीपोटा एवं शा.पू.मा.विद्यालय तर्रा, गोरभट्ठी, खम्हरीया आदि ऐसे विद्यालय थे जहाँ बहुत ही लम्बे समय से शिक्षक की कमी से जुझ रहे थे। ग्रामवासियों ने चर्चा के दौरान यह बताया की शिक्षकों की कमी के संबंध में पूर्ववर्ती सरकार में विभिन्न जनप्रतिनिधियों मंत्रीयों/विधायकों के समक्ष शिक्षक पदस्थापना हेतु बार-बार निवेदन के पश्चात भी उनकी मांग पर विचार नही हो पा रहा था।

परंतु वर्तमान सरकार की युक्तियुक्तकरण नीति 2025 उनके लिए वरदान साबित हुई जिनके तहत उनकी अर्सो की मांग पूरी हो गई इसके लिए उनके द्वारा शासन एवं प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया है की युक्तियुक्तकरण समिति 2025 में ऐसे ग्रामों में अवस्थित विद्यालयों का प्राथमिकता से चयन कर वहां शिक्षक पदांकित किये गये जो दूरस्थ सुदुरवर्ती होने के कारण लंबे समय शिक्षकों की कमी से जूझ रहे थे। यहां यह तथ्य रायपुर जिले के संबंध में उल्लेखनिय है कि जिले में शहरी क्षेत्रों में आवश्यकता से अधिक संख्या में स्थानांतरण के माध्यम से विद्यालयों में पदस्थापना करा ली थी और वहां लंबे समय से जमे हुए थे शासन की युक्तियुक्तकरण समिति 2025 में ऐसे विद्यालयों के प्राथमिकता का चयन किया गया जहा दर्ज संख्या के अनुपात में निर्धारित मापदण्ड अनुरूप आवश्यकता से अधिक संख्या में शिक्षक पदस्थापित थें। उन विद्यालयों से अतिशेष शिक्षकों का चिन्हान्कन कर ऐसे विद्यालयों में प्राथमिकता से पदस्थापित किया गया जो शिक्षकविहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालयो की श्रेणी में था।

टाइगर तस्करी में शामिल इंटरनेशनल अपराधी ताशी शेरपा को 5 साल की सजा

इंटरपोल ने की एमपी टाइगर फोर्स की तारीफ

भोपाल टाइगर ट्रैफिकिंग करने वाले इंटरनेशनल अपराधी ताशी शेरपा को वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स की ठोस पैरवी के चलते कोर्ट ने पांच साल की सजा सुनाई है। सिलिगुडी, पश्चिम बंगाल से पिछले साल गिरफ्तार किए गए इस तस्कर को सजा मिलने पर इंटरपोल ने एमपी स्टेट टाइगर फोर्स को बधाई दी है। केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस पर एमपी के वन अफसरों को बधाई दी है।

वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल द्वारा तिब्बत के निवासी अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा को 25 जनवरी 2024 को अंतर्राष्ट्रीय सीमा भारत-नेपाल के पास सिलिगुड़ी, पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। नौ साल की तलाश के बाद स्टेट टाइगर फोर्स के शिकंजे में फंसे शेरपा को कोर्ट में पेश की गई। दलीलों के आधार पर 9 मई को पांच साल की सजा सुनाई गई। शेरपा नौ सालों तक वन विभाग की टाइगर स्टेट फोर्स को छकाता रहा है। इस पर इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा को सजा दिलवाने की उत्कृष्ट कार्रवाई के लिये बधाई-पत्र भेजा है।

195 देशों का संगठन है इंटरपोल

इंटरपोल को आधिकारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराधी नियंत्रण पुलिस संगठन कहा जाता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो 195 से अधिक देशों ने मिलकर बनाया है। यह पूरे विश्व में पुलिस एवं अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है। मध्यप्रदेश वन विभाग ने स्टेट टाइगर फोर्स का गठन केन्द्र शासन के निर्देश पर वन्य-जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिए किया है। स्टेट टाइगर फोर्स ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए अंतरराज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इससे पहले भी इंटरपोल द्वारा 3 बार एसटीएसएफ के कार्यों की सराहना की जा चुकी है। अपराधी ताशी शेरपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है।

रायपुर में बोरिंग पर लगी रोक हटी, अब निर्धारित नियमों के तहत कर सकेंगे खुदाई

रायपुर राजधानी समेत पूरे रायपुर जिले में पिछले तीन माह से बोरिंग खुदाइ पर लगी रोक अब हटा ली गई है। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने छत्तीसगढ़ पेयजल संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत 1 जुलाई को आदेश जारी कर प्रतिबंध हटाने की घोषणा की है। मानसून की आमद के साथ यह फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि गर्मी की शुरुआत में, 1 अप्रैल से जिले में बोर उत्खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस अवधि में सिर्फ कलेक्टर की अनुमति से ही बोरिंग की इजाजत थी। बिना अनुमति बोरिंग करने पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान था। इसका असर यह हुआ कि जिले में निजी बोरिंग पूरी तरह बंद हो गई थी। कुछ स्थानों पर चोरी-छिपे किए जा रहे उत्खनन पर प्रशासन और पुलिस ने कार्रवाई कर प्रतिबंध को सख्ती से लागू भी किया। अब प्रतिबंध हटने के बाद आम नागरिक निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए बोरिंग करवा सकेंगे। हालांकि, जिला प्रशासन ने अपील की है कि यदि आपके पास पहले से जलस्त्रोत उपलब्ध है, तो अनावश्यक बोरिंग से बचें। अत्यधिक भूजल दोहन से गर्मी की शुरुआत में ही जल संकट गहराने लगता है, जिसे नियंत्रित करने के लिए ही यह प्रतिबंध लगाया गया था।

ब्रेक के बाद फिल्मों में एक्टिव हुए विक्रांत

विक्रांत मैसी लगभग छह महीने फिल्मों से दूर रहे, अब वह फिर से बॉलीवुड में एक्टिव हो गए हैं। पिछले साल अपने परिवार, हेल्थ पर ध्यान देने के लिए विक्रांत मैसी ने एक्टिंग से ब्रेक लेने की घोषणा की थी। एक्टर ने साफ कहा था कि ब्रेक कुछ महीनों का होगा। हाल ही में आपने इस करियर ब्रेक के बारे में विक्रांत ने बात की है। साथ ही वह अपनी जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर भी उत्साहित हैं।

खत्म हो गया विक्रांत का करियर ब्रेक

बातचीत में विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मेरा ब्रेक खत्म हो गया है। मैंने बस छह महीने का ब्रेक लिया था। अब मैं हर चीज को लेकर बहुत क्लीयर हूं। पर्सनल लाइफ हो या करियर, सब चीजों को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल क्लीयर हो चुका है। मैंने इस ब्रेक में महसूस किया कि एक्टिंग मेरी जिंदगी का हिस्सा है, साथ ही कई और चीजें भी मेरे लिए बहुत अहम है।'

परिवार के साथ गुजारा समय

विक्रांत ने करियर ब्रेक के दौरान परिवार के साथ खूब समय गुजारा। वह कहते हैं, 'मैंने बेटे वरदान के साथ समय बिताया, खूब सारी फिल्में देखी। उन चीजों पर नोट्स बनाए हैं, जिन पर मुझे काम करना है। मेरी कोशिश एक एक्टर के तौर पर खुद को बेहतर बनाना है।'

खुद में ठहराव महसूस करते हैं विक्रांत

विक्रांत आगे कहते हैं, 'ब्रेक के बाद मेरे अंदर एक ठहराव भी आ गया है। मैंने अपनी सभी भी फिल्में देखीं, इन पर गौर किया। उन फिल्मों में और बेहतर काम कर सकता था। अब मैं जिन फिल्मों का हिस्सा बन रहा हूं, उनमें इन बातों का ध्यान रखूंगा।'

'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर उत्साहित

विक्रांत मैसी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर के एक्टिंग कर रहे हैं। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां रस्किन बॉन्ड की शॉर्ट स्टोरी 'द आइज हैव इट' पर बेस्ड है। विक्रांत, राइटर रस्किन बॉन्ड के फैन है। वह फिल्म में अंधे इंसान का किरदार निभा रहे हैं। विक्रांत कहते हैं, 'इस रोल ने अंधे लोगों के बारे में मेरी समझ को चैलेंज किया है।'

मैं जानबूझकर नेगेटिविटी खोजती हूं

डेब्यू से पहले ट्रोल्स को शनाया कपूर की दो टूक बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही शनाया कपूर सोशल मीडिया की बेरहम दुनिया से दो-चार हो रही हैं। संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया अपनी पहली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से सिल्वर स्क्रीन पर दस्तक देने जा रही हैं। लेकिन डेब्यू से पहले ही वो जिस हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में शनाया ने सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और नेगेटिव कमेंट्स पर अपनी राय खुलकर रखी। उन्होंने कहा कि वो जानबूझकर सोशल मीडिया पर खुद से जुड़े नेगेटिव कमेंट्स और आर्टिकल्स पढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं जानना चाहती हूं कि लोग मेरे बारे में क्या कह रहे हैं। मुझे लगता है कि ये मेरा फर्ज है कि मैं ऑडियंस की राय को सुनूं।' जहां ज्यादातर सेलिब्रिटीज ऑनलाइन ट्रोल्स से दूरी बनाकर रखते हैं, वहीं शनाया की ये सोच उन्हें खास बनाती है। हालांकि उन्होंने ये भी माना कि कई बार ये कमेंट्स बहुत क्रूर होते हैं, खासकर जब वो उनकी लुक्स, कपड़ों या शरीर को लेकर होते हैं।

शनाया ने ये भी कहा कि उन्होंने वक्त के साथ ये समझ लिया है कि किस तरह की बातों को खुद से दूर रखना है और किसे गंभीरता से लेना है। उन्होंने कहा, 'कुछ बातें बहुत पर्सनल होती हैं, जैसे कि बॉडी या ड्रेसिंग को लेकर। लेकिन मैं उन्हें अलग रख देती हूं। मैं कोशिश करती हूं कि अपनी कला को सुधारने के लिए इन्हें एक फीडबैक की तरह लूं।'

फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से होगी शुरुआत शनाया की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है और लोगों की ओर से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे अभिनेता विक्रांत मैसी, जो इसमें एक दृष्टिहीन युवक की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन किया है संतोष सिंह ने और इसे लिखा है मानसी बगला ने। फिल्म को जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है और यह 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पंचायत की सानविका ने IMDb पर शाहरुख को पछाड़ा

जब से पंचायत सीजन 4 ने ओटीटी पर दस्तक दी है, हर तरफ इसी की चर्चा है। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर विधायक जी और विनोद का डांस वायरल है, वहीं चर्चा में प्रधानजी की बेटी रिंकी यानी सानविका भी हैं। सचिव जी के साथ रिंकी की प्रेम कहानी भले ही वेब सीरीज में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है, लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। आलम ये है कि IMDb की पॉपुलैरिटी लिस्ट में सानविका ने शाहरुख खान को पछाड़ दिया है। जी हां, एक्ट्रेस ने खुद एक वीडियो पोस्ट शेयर कर दर्शकों के इस प्यार के लिए धन्यवाद किया है।

सानविका ने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, वो उनके मोबाइल स्क्रीन की रिकॉर्डिंग है। वीडियो क्लिप में वह IMDb की सबसे पॉपुलर भारतीय सेलेब्स की लिस्ट दिखा रही हैं, जिसमें उनका नाम आमिर खान और ऐश्वर्या राय बच्चन के बाद नंबर 3 पर है। जबकि बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। टॉप-5 में 5वें नंबर पर आरएस प्रसन्ना हैं, जिन्होंने सितारे जमीन पर डायरेक्ट की है।

खुशी से फूले नहीं समा रही पंचायत की रिंकी

सानविका ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, अरे वाह!!!! ये सभी मेरी प्रेरणा हैं और हमेशा मुझसे ऊपर रहेंगे, लेकिन एक दिन के लिए भी इस ग्रुप में शामिल होना, यह वाकई कमाल है। यह मेरे लिए एक खास पल है। सानविका ने कैप्शन के आखिर में पंचायत के मेकर्स को टैग करते हुए उनका धन्यवाद किया है। साथ ही आगे लिखा है, जनताज आप लोगों का दिल से शुक्रिया। आपसे ही सब कुछ है। इस प्यार के लिए बहुत बहुत शुक्रिया।

बता दें कि सानविका का असली नाम पूजा सिंह है। हाल ही एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने पंचायत सीजन 5 को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, पंचायत सीजन 5 की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उम्मीद है, शायद अगले साल के मध्य तक या अगले साल किसी समय, यह रिलीज हो जाएगी। कहानी लिखने का काम पहले ही शुरू हो चुका है। हम इस साल के अंत तक शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

कावेरी कपूर ने की नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा

गायिका-गीतकार और जेनरेशन जेड की उभरती हुई स्टार, बहुमुखी प्रतिभाशाली कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से काफी चर्चित शुरुआत की। उसके बाद, कावेरी ने खुद के लिखे दो गाने रिलीज किए, और उनकी प्रतिभा को अनदेखा नहीं किया जा सका, उनके प्रशंसक उनके आगामी प्रोजेक्ट के घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका-अभिनेत्री सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी कावेरी ने पहले ही इंडिपेंडेंट म्यूजिक जगत में अपने लिए एक अनूठी जगह बना ली है। अपने आत्मनिरीक्षण गीतों और भावपूर्ण गायन के लिए जानी जाने वाली कावेरी ने पहले भी डिड यू नो, हाफ ए हार्ट और स्मेल ऑफ द रेन जैसे ओरिजिनल ट्रैक जारी किए हैं, जो उनके भावनात्मक लेखन और विकसित होते संगीत को दर्शाते हैं। और अब अपने फैन्स को ज्यादा इंतज़ार न कराते हुए, कावेरी ने हाल ही में कुछ बहुत ही रोमांचक आने का संकेत दिया है। जब एक प्रशंसक ने उनसे आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछा, तो कावेरी ने एक फोटो पोस्ट की जिसमें वह थम्स-अप देते हुए नज़र आ रही हैं, और उन्होंने लिखा- येस्स, जुड़े रहिए ... कुछ बहुत एक्साइटिंग आने वाला है। हालांकि उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की, लेकिन यह अपडेट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। चाहे वह नया म्यूजिक हो, कोई कोलैबोरेशन, या फिर किसी नई क्रिएटिव दिशा की शुरुआत – फैन्स को अभी इंतजार करना होगा। लेकिन एक बात तय है- कावेरी कपूर अपने अगले बड़े क्रिएटिव अध्याय की तैयारी में हैं – और यह जरूर कुछ खास होगा।

कभी पत्रकार, तो कभी बहन का निभाया किरदार, कोंकणा सेन शर्मा की खूब हुई तारीफ

कोंकणा सेन शर्मा की फिल्म मेट्रो इन दिनों रिलीज हो गई है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि कोंकणा सेन शर्मा ने किन फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की है।

पेज थ्री

साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म पेज थ्री में पत्रकारिता की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा एंटरटेनमेंट बीट की पत्रकार होती हैं। हालांकि असली पत्रकारिता क्या होती है इसके बारे में उन्हें फिल्म में अतुल कुलकर्णी बताते हैं। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा की अदाकारी की खूब तारीफ हुई थी।

लिपस्टिक अंडर माय बुर्का

साल 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में चार महिलाओं की कहानी दिखाई गई है। इन महिलाओं में से कोंकणा सेन शर्मा भी एक हैं। फिल्म में उन्होंने एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाया है। वह घर-घर जाकर सामान बेचती हैं। वह अपना करियर बनाना चाहती हैं लेकिन उनका पति उनका इस्तेमाल सिर्फ अपनी यौन इच्छाओं को पूरी करने के लिए करता है। कोंकणा ने इस किरदार को बखूबी निभाया है।

लाइफ इन अ मेट्रो

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ इन अ मेट्रो में कई लोगों की प्रेम कहानियां दिखाई गई हैं। फिल्म में एक कहानी कोंकणा सेन शर्मा और इरफान खान की है। फिल्म में इरफान खान, कोंकणा को नौकरी दिलाने में मदद करते हैं। इसके बाद दोनों में प्यार हो जाता है। फिल्म के आखिर में कोंकणा इरफान से शादी के लिए प्रपोज करती हैं। फिर दोनों की शादी होती है। फिल्म में कोंकणा की संजीदा अदाकारी की खूब तारीफ हुई।

लागा चुनरी में दाग

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लागा चुनरी में दाग वेश्यावृत्ति पर बनी है। फिल्म में रानी मुखर्जी ने एक वेश्या का किरदार निभाया है। कोंकणा सेन शर्मा ने रानी मुखर्जी की छोटी बहन का किरदार निभाया है। फिल्म में दिखाया गया है कि जैसे रानी मुखर्जी अपनी खुशियों को कुर्बान करके कोंकणा की मदद करती है वैसे ही कोंकणा सेन शर्मा भी अपनी बड़ी बहन का सपोर्ट करती हैं।

लक बाय चांस

साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म लक बाय चांस में कोंकणा सेन शर्मा ने अहम किरदार निभाय है। फिल्म में फिल्मी दुनिया में मची होड़ के बारे में दिखाया गया है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो अभिनेत्री बनना चाहती है। हालांकि उसके साथ धोखा हो जाता है। इस फिल्म की और कोंकणा सेन शर्मा की खूब तारीफ हुई थी।

पौराणिक कथाएं मुझे आकर्षित करती हैं, शिव का किरदार निभाना चाहते हूं

अर्जुन रामपाल हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'राणा नायडू 2' में विलेन के रोल में नजर आए हैं। अक्सर अपने किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट करने वाले अर्जुन इससे पहले भी 'ओम शांति ओम', 'रा वन' और 'धाकड़' समेत कई फिल्मों में विलन की भूमिका निभा चुके हैं। लीड हीरो के तौर पर वे आखिरी बार 2017 में रिलीज हुई फिल्म डैडी में नजर आए थे। इसे उन्होंने प्रोड्यूस भी किया था। अब अर्जुन एक पौराणिक किरदार निभाने की चाह रखते हैं।

आपने 'आई सी यू' और 'डैडी' जैसी फिल्में प्रोड्यूस की हैं। अगली फिल्म कब प्रोड्यूस करेंगे?

'डैडी' मेरे लिए बेहद खास फिल्म थी लेकिन शायद मैं उसे लोगों तक सही तरीके से पहुंचा नहीं पाया। उस कहानी से मैं जो दिखाना चाहता था वो दिखा नहीं पाय। ऐसे मे अब मैं सोचता हू जब भी कुछ प्रोड्यूस करू तो ऐसा करू जिससे ऑडियंस सीधा जुड़ सके। जब तक मुझे वैसी स्क्रिप्ट नहीं मिलती, मैं इंतजार करूंगा।

कोई ऐसा जोनर है जो बतौर प्रोड्यूसर आकर्षित करता हो?

मेरी मां इतिहास पढ़ाती थी तो मैंने बचपन से ही बहुत सी कहानियां सुनी हैं। इतिहास से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मैं कुछ ऐसा बनाना चाहता हू जो समाज को संदेश दे। साथ ही, इंडियन माइथोलॉजी (पौराणिक कथाए) भी मुझे बेहद आकर्षित करती है। ये बहुत गहराई और ज्ञान से भरा सब्जेक्ट है। समय से कहीं आगे की सोच दिखाती है। अगर मौका मिला तो कोई साइंस फिक्शन या डिस्टोपियन वर्ल्ड वाली कहानी भी करना चाहूंगा।

कोई ऐसा पौराणिक किरदार जो निभाने की इच्छा रखते हों?

जवाब ङ्क मैं भगवान शिव का किरदार निभाना चाहूंगा। उनके व्यक्तित्व में गहराई है, एक रहस्य है। उस रोल को करने के लिए पूरी तरह से उसमें उतरना पड़ेगा और यही मुझे पसंद है। मैं इसे बेहद सादगी और ईमानदारी से दर्शकों के सामने पेश करना चाहूंगा।

सवालङ्क लंबे वक्त से आप किसी लीड रोल में नहीं दिखे। क्या ये आपकी पसंद होती है या संयोग?

जवाब ङ्क मैं वैसे रोल चुनता हू जो मुझे अच्छे लगते हैं। अगर फिल्म की कहानी अच्छी हो और मेरा किरदार दमदार हो तो मुझे फर्क नहीं पड़ता कि उसमें और कितने स्टार्स हैं। मल्टी-स्टारर फिल्मों में काम करने से अच्छा अनुभव मिलता है, अच्छे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिलता है। सब मिलकर जब एक अच्छी टीम बनाते हैं, तो फिल्म का असर और भी मजबूत होता है। मेरे लिए सबसे जरूरी यही है कि फिल्म अच्छी हो और मेरा किरदार उसमें कुछ खास कर सके।

इतने साल इंडस्ट्री में बिताने के बाद आपको कौन सा बड़ा बदलाव नजर आया है?

आज लोग ज्यादा खुले विचारों वाले हो गए हैं। रिस्क लेते हैं और ये बहुत अच्छा भी है। टेक्नीकली हम बहुत आगे बढ़े हैं। हमारे टेक्नीशियन अब बहुत बेहतर हैं लेकिन अभी भी एक चीज है जिस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। वो है, अच्छी कहानी और अच्छी स्क्रिप्ट। मुझे हाल फिलहाल में सीरीज राणा नायडू, पंजाब 95 और द रेपिस्ट जैसी फिल्मों की स्क्रिप्ट खास लगी। मैं खुद इन दिनों सबसे पहले स्क्रिप्ट देखता हू।

आपकी फिल्म द बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव का क्या हुआ?

जवाब ङ्क यह साल 2021 में रिलीज होने वाली थी पर हमारे को-प्रोड्यूसर को कुछ निजी समस्याएं आ गईं। हमने करीब 60-70 प्रतिशत शूट कर लिया था लेकिन फिर शूट रुक गया। उम्मीद है कभी सब कुछ सही होगा तो उसे पूरा करेंगे।

सवाल ङ्क आपकी अगली फिल्म 'धुरंधर' है। इसमें **रणवीर सिंह के साथ पहली बार काम कर रहे है। कैसा अनुभव रहा?**

बड़ी ही मजेदार अनुभव रहा। टीम बहुत शानदार है। रणवीर जबरदस्त फॉर्म में हैं, अक्षय, संजय, माधवन सब कमाल कर रहे हैं। मैं भी अपनी तरफ से बेस्ट देने की कोशिश कर रहा हूं। डायरेक्टर आदित्य धर हर दिन कुछ नया लाते हैं, जो सेट पर हम सबको बहुत प्रेरित करता है।

अपने अब तक के करियर से कितना संतुष्ट हैं?

जवाबङ्क न मुझे कोई शिकायत है और न ही कोई अपेक्षा। मैं ये नहीं सोचता कि किसी को मेरे लिए कुछ करना चाहिए। जब आप ऐसा सोचते हैं तो निगेटिव हो जाते हैं। मैंने हमेशा जो काम किया वो ईमानदारी से किया और जो भी मुझे मिला मैं उसके लिए आभारी हूं।

यदि चली गई है आपकी नौकरी...

अपने करियर में एक प्रोफेशनल के लिए सबसे कठिन समय रहता है जब उसकी नौकरी चली जाए, विशेष रूप से तब जब उसे इस बात की आशा नहीं थी। लेकिन किसी भी कारणवश अगर ऐसा होता है तो आपको कुछ चीजें आवश्यक रूप से करना चाहिए

- आपको सबसे पहले अपने इमोशंस पर ध्यान देना होगा। पहले इस बात को समझें कि किस तरह की भावनाएं आपके जेहन में आ रही है। इसके बाद आप यह पता करें कि इन भावनाओं के साथ क्या किया जाना चाहिए और इसे प्रोडक्टिव तरीके से रिस्पॉन्ड करें। अगर आपने अपनी भावनाओं को समझाते हुए इसे नियंत्रित नहीं किया तो यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।
- आठ घंटे की नींद लें, जल्दी उठें, एक्सरसाइज करें, शॉवर लें, अच्छे से तैयार हो जाएं, घर से बाहर निकले आपको ऐसे कठिन समय में भी चीजों को सामान्य रखना जरूरी है। खुद को व्यस्त और सक्रिय रखें। आप घर में बैठकर केवल रोते नहीं रह सकते।
- अपने गुस्से को शांत करें। हो सकता है आपको अपनी पुरानी नौकरी में साथ काम करने वालों को लेकर आक्रोश हो। उन्होंने आपके साथ गलत किया हो। लेकिन याद रखें कि वे भी केवल सरवाइव करने की कोशिश कर रहे है। अपने पुराने बॉस और सहकर्मियों की अच्छी क्वॉलिटीज की सूची बनाइए। इससे आपको पुरानी बातों से निकलने में आसानी होगी।
- जिन लोगों से आप सालों से नहीं मिले हो, उनसे मिलने की योजना बनाइए। इससे आपका नेटवर्क भी बनेगा और उन्हें पता रहेगा कि आप नए जॉब की तलाश कर रहे हैं।
- जब भी नौकरी हाथ से जाती है तो कहीं न कहीं आपके आत्मविश्वास का डगमगाना नैचुरल है। लेकिन यह बात जरा न भूलें कि जब आप काम कर रहे थे तो आपने अच्छा काम किया और कंपनी की ग्रोथ में योगदान दिया। अपनी मुख्य उपलब्धियों की सूची बनाइए जो कि आगे आपको मार्केट कर सके।
- आप निकाले गए हैं या आपने एकदम नौकरी छोड़ने का फैसला किया है तो आपके लिए यह आर्थिक रूप से भी बड़ी परेशानी खड़ी करता है। एक दिन निकाले और अपना नया बजट तैयार करें। आपको अभी नहीं पता होगा कि कब आपकी दूसरी नौकरी लगेगी और कब स्थायी आय शुरु होगी। आपको अपने खर्चों को लेकर सजग रहना होगा।

परम्परागत करियर ऑप्शन से अलग ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहाँ युवा अपनी सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और डिजाइनिंग स्किल्स के जरिए न सिर्फ एक अच्छा करियर बना सकते हैं

ग्लास डिजाइनिंग रचनात्मक युवाओं के लिए बेहतरीन करियर

परम्परागत करियर ऑप्शन से अलग ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहाँ युवा अपनी सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और डिजाइनिंग स्किल्स के जरिए न सिर्फ एक अच्छा करियर बना सकते हैं, बल्कि सफलता भी हासिल कर सकते हैं। ऐसा ही एक करियर ऑप्शन है, ग्लास डिजाइनिंग का। हाल-फिलहाल डिजाइनिंग की इस फील्ड में लोगों की रूचि तेजी से बढ़ी है। अगर आप भी एक क्रिएटिव करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए ग्लास डिजाइनिंग बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। कहना गलत नहीं होगा की पिछले कुछ समय से लोगों के डिजाइनिंग सेंस में निखर आया है, जिसका असर नए मकानों और बिल्डिंग्स पर देखा जा सकता है। अब लोग अपने घर और ऑफिस में डिजाइनर ग्लास के इस्तेमाल को पसंद करते हैं। शायद यही कारण है कि बाजार में अब अलग-अलग डिजाइन्स के ग्लास की भरमार है। लोगों की सोच में आये इस बदलाव ने रचनात्मक युवाओं के लिए करियर का नया द्वार खोल दिया है। अगर आप भी परंपरागत करियर से अलग कुछ करना चाहते हैं, तो ग्लास डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं।

क्या है ग्लास डिजाइनिंग

रॉ (कच्चे) ग्लास को ग्लासवेयर, गिफ्ट वेयर, क्राफ्टेड ग्लास विंडोज, ओरनेट आइटम्स, ग्लास इंस्ट्रूमेंट आदि के रूप में मोल्ड करने की प्रक्रिया को ग्लास डिजाइनिंग कहते हैं, और यह काम करने वाले प्रोफेशनल्स ग्लास डिजाइनर, गॉफर, ब्लोअर कहलाते हैं। पहले ग्लास को ग्लास लेबोरेटरी और फैक्ट्री में मोल्ड किया जाता है और उसके बाद आर्टिस्ट्स के पास डिजाईन स्टूडियो में भेजा जाता है।

ग्लास डिजाइनिंग में कोर्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए इंटर मे गणित, भौतिकी और रसायन विषय होने चाहिए। इसके बाद आप सेरामिक एंड ग्लास डिजाइनिंग में बेचलर ऑफ डिजाईन और उसके बाद मास्टर ऑफ डिजाइन का कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा आप सेरामिक एंड ग्लास टेक्नोलॉजी में बीटेक या डिजाइन में बेचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का कोर्स भी कर सकते हैं। मास्टर्स के बाद आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

ग्लास डिजाइनिंग कोर्स में विद्यार्थियों को ग्लास मौल्डिंग टेक्नोलॉजी के पीछे के विज्ञान के बारे में पढ़ाया जाता है ताकि वे मोल्डेड ग्लास को डिजाइन करने की टेक्निक्स सीख सकें। आम तौर पर ग्लास डिजाइनर्स डिजाइन स्टूडियो में काम करते हैं। ग्लास की लम्बाई के हिसाब से वे कंप्यूटर पर डिजाईन थीम तैयार करते हैं और फिर मशीनों की मदद से ग्लास पर डिजाइन्स बनाई जाती हैं। इस तरह अलग-अलग उद्देश्यों के लिए क्लियर, फॉरस्टेड, लिनेन, मिल्की स्मोक्ड, लैमिनेटेड और कॉम्बिनेशन ग्लासेज को तैयार किया जाता है।

जरुरी योग्यता

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए प्रयासरत युवाओं के पास सृजनात्मकता, स्किल्स और डिजाइनिंग टैलेंट होना चाहिए। उनमें अलग-

अलग थीम्स पर डिजाइन तैयार करने की क्षमता होनी चाहिए। इसके अलावा नवीनतम टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी होने के साथ-साथ उसमें टीम भावना और बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स का होना भी जरुरी है।

सैलरी और पैकेज

इस फील्ड में करियर टेक्नोलॉजी बेकग्राउंड वाले फ्रेशर्स की सैलरी 25,000 रूपये से शुरू होती है। जबकि अनुभवी उम्मीदवारों का वार्षिक पैकेज 5-8 लाख रुपये तक होता है। आप अपने करियर की शुरुआत राष्ट्रीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे डिजाइन स्टूडियो के साथ कर सकते हैं। ये स्टूडियोज बेहतर संभावनाओं वाले प्रतिभाशाली युवाओं को हायर करते हैं। इस फील्ड में डिजाइनर्स की काफी कमी है, लिहाजा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रही कम्पनियाँ नये व स्किल्ड डिजाइनर्स को हायर कर लेती हैं। जॉब करने के आलावा आप अपना खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु
- आईआईटी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- विश्वभारती विश्वविद्यालय, शान्तिनिकेतन
- इंडस्ट्रियल डिजाईन सेंटर, आईआईटी, मुंबई
- एमआईटी इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, डिजाईन एंड मैन्युफैक्चरिंग, जबलपुर
- एपीजे इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, दिल्ली

कम प्रतिस्पर्धा के साथ पा सकते हैं ये सरकारी नौकरी

हर साल कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती के लिए एसएससी सीजीएल एग्जाम का आयोजन करता है। इस परीक्षा के जरिये जिन पदों पर नियुक्ति होती है, उनमें से एक है स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2)। एसएससी की परीक्षा के माध्यम से मिलने वाले सबसे आकर्षक जॉब्स में से यह एक है। इसके बावजूद इस जॉब प्रोफाइल के बारे में युवाओं को अधिक जानकारी नहीं है। तो चलिए, जानते हैं इसी जॉब प्रोफाइल के बारे में।

एसएससी सीजीएल एग्जाम के माध्यम से स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) के लिए चयनित होने वाले उम्मीदवारों को ग्रुप बी (सेंट्रल सिविल सर्विस, नॉन-गजेटेड, नॉनमिनिस्टेरियल) मे जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (जेएसओ) के पद पर नियुक्ति दी जाती है। वे सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) कैडर का हिस्सा होते हैं।

वेतन-भत्ते

जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर पे-बैंड 2 के अंतर्गत आते हैं। इनका वेतनमान 9300-34800 तथा ग्रेड पे 4200 होता है। जेएसओ का आरंभिक वेतन लगभग 30,000 रुपए प्रति माह होता है।

पोस्टिंग

स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) अखिल भारतीय स्तर का पद है। इस पद पर नियुक्त होने वाले अधिकारियों की पदस्थापना देश के किसी भी स्थान पर की जा सकती है। जेएसओ के रूप मे चयनित होने वाले 80 प्रतिशत उम्मीदवारों की नियुक्ति नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के माध्यम से की जाती है। शेष की नियुक्ति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में की जाती है। काम की प्रकृति जेएसओ को क्या काम करना होता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी नियुक्ति कहा की गई है। एनएसएसओ में नियुक्त स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर ऑफिसर को मुख्य रूप से दो तरह के काम करने होते हैं -

डाटा कलेक्शन - यह मूलतः एक फील्ड जॉब है। यह काम एनएसएसओ के फील्ड ऑपरेशंस डिविजन (एफओडी) के तहत होता है। इसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, सामाजिक-आर्थिक कारकों, शहरी सर्वे और मूल्य सूचकांकों के लिए सर्वे तथा डाटा संग्रहण अभियान संचालित करने होते हैं।

डाटा प्रोसेसिंग - जिन ऑफिसर्स की नियुक्ति एफओडी में नहीं होती, वे डेस्क जॉब करते हैं। वे विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संस्थानों के लिए विस्तृत डाटा रिपोर्ट तैयार करते हैं। इनके द्वारा संकलित किया गया डाटा ही भारत सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्धारण का आधार बनता है। इसके अलावा, जो ऑफिसर मंत्रालयों, विभागों या संस्थानों में नियुक्त होते हैं, उनकी जॉब प्रोफाइल क्लेरिकल होती है। वे दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग, सर्वे रिपोर्ट की रिक्वायरमेंट तैयार करने, डाटा एंट्री, टेब्यूलेशन, डाटा को संपादित व संकलित कर रिपोर्ट बनाने आदि का काम करते हैं।

संस्थागत ढांचा व प्रमोशन

जेएसओ सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) में जूनियर ऑफिसर्स के लिए एंट्री-लेवल पद है। यहां की प्रमोशन संबंधी नीति वरिष्ठता और अनुभव पर आधारित होती है। जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर लगभग 5 से 8 साल बाद प्रमोशन पाकर सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (ग्रुप-बी, गजेटेड) पद पर आ जाते हैं। इस लाइन में विभिन्न पद क्रमवार इस प्रकार होते हैं- जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, असिस्टेंट डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर, जॉइंट डायरेक्टर, डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, एडिशनल डायरेक्टर जनरल, डायरेक्टर जनरल। स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर पद के लिए प्रतिस्पर्धा कम होती है और चयनित होने की संभावना अधिक। इसलिए आप इस पद का लक्ष्य साधकर सीजीएल एग्जाम में बैठ बेहतर करियर निर्माण के बारे में सोच सकते हैं। इसमें खास आकर्षण यह है कि यह केंद्र सरकार की नौकरी है और पहले ही प्रमोशन के बाद आप गजेटेड ऑफिसर बन जाते हैं।

मनेंद्रगढ़ में लर्निंग लाइसेंस कैंप 13 को

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में सड़क सुरक्षा और परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आगामी 13 जुलाई को विकासखंड मनेंद्रगढ़ अंतर्गत डोमनापारा स्थित कोल्ड स्टोर के पास गोंडवाना भवन में परिवहन सुविधा केंद्र के माध्यम से विशेष आरटीओ कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर के माध्यम से इच्छुक नागरिकों को लर्निंग लाइसेंस बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आम लोगों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय तक बार-बार चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। साथ ही इस दिन जिले में संचालित सभी स्कूल बसों की फिटनेस की जांच की जाएगी, ताकि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। परिवहन विभाग ने नागरिकों से निर्धारित तिथि को आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में समय पर पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

बारिश में सेवानिवृत्त कॉलरी कामगार को बेघर किए जाने पर आंदोलन का आगाज

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के नगर पंचायत नई लेदरी में शुक्रवार को एसईसीएल और राजस्व विभाग द्वारा एक परिवार को तेज बारिश के दौरान सामान सहित घर से बाहर कर दिया गया। बारिश में छोटे बच्चों के साथ सड़क पर खड़े परिवार को देख लोगों की आंखें नम हो गईं। ब्रिटिश हुकूमत को भी शर्मसार कर देने वाली इस तरह की कार्रवाई की जहां हर ओर से आलोचना हो रही है वहीं जनता ने भी आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। सरकार के साथ कॉलरी प्रबंधन को घेरने कांग्रेस ने भी मोर्चा संभाल लिया है और एक बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

बता दें कि सेवानिवृत्ति के बाद भी एसईसीएल क्वार्टरों में निवास कर रहे लोगों से घर खाली कराने एसईसीएल और राजस्व विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को नई लेदरी के वार्ड क्र. 5 में एसईसीएल के क्वार्टर में निवासरत सेवानिवृत्त कर्मचारी समारू के घर को खाली कराया गया। कार्रवाई के दौरान तेज बारिश हो रही थी, बावजूद इसके प्रशासन को कोई तरस नहीं आया और बुजुर्ग समारू के घर से सामान निकालकर बाहर रख दिया गया। घर में मौजूद मासूम बच्चों को भी बाहर कर दिया गया। समारू ने बताया कि क्वार्टर खाली करने के लिए उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मनमानेपूर्ण तरीके से कार्रवाई की गई है साथ ही यह भी बताया कि अभी एसईसीएल में उनका 7 लाख रूपए फंड बकाया है जिसका भुगतान भी नहीं किया गया है।

नगर बचाओ संघर्ष समिति ने शुरू की भूख हड़ताल

एसईसीएल हसदेव क्षेत्र प्रबंधन द्वारा सेवानिवृत्त कॉलरी कामगारों एवं आम नागरिकों को कभी बिजली, पानी कनेक्शन काट कर तो कभी भरी बरसात में बेघर किए जाने से परेशान होकर नगर बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के सामने 5 जुलाई से क्रमिक भूख हड़ताल की शुरूआत की गई है। संघर्ष समिति में नार्थ झगराखंड, साउथ झगराखंड एवं वेस्ट झगराखंड के नागरिक शामिल हैं। पहले दिन क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठने वालों में पूर्व एल्डरमेन दीपक श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद सोनू केंवट, पार्षद संजय जायसवाल व अनामिका आईद व पूनम सोरेन शामिल रहे। हड़ताल पर बैठीं सेवानिवृत्त कॉलरी कर्मचारी की बेटी पूरम सोरेन ने कार्रवाई को अन्यायपूर्ण करार देते हुए कहा कि हमारी चार पीढ़ी एसईसीएल में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनके घर में बूढ़े मां-बाप, भाई और छोटे-छोटे बच्चे हैं। बेघर होने पर वे कहां जाएंगे साथ ही यह भी कहा कि वे जब तक जिंदा हैं अपना घर छोड़कर नहीं जाएंगी।

कांग्रेस करेगी जीएम ऑफिस का घेराव

एसईसीएल हसदेव क्षेत्र में मनमानेपूर्ण तरीके से भारी बारिश में क्वार्टर खाली कराने के विरोध में शनिवार को कांग्रेस नेताओं ने हसदेव क्षेत्र के जीएम ऑफिस पहुंच कर महाप्रबंधक से मुलाकात की और कार्रवाई रोके जाने के संबंध में अपनी बात रखी। साथ ही नगर बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को कांग्रेस ने अपना समर्थन दिया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि 10 जुलाई को कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस द्वारा वृहद आंदोलन कर मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

अरसिया पंचायत में हैंडपंप और बोरवेल से लगातार पानी बहाव, विभाग की लापरवाही उजागर

कोरबा अम्बिकावाणी – पोड़ी उपरोड़ा जनपद के अंतर्गत ग्राम पंचायत अरसिया में सार्वजनिक हैंडपंप और बोरवेल से लगातार पानी का बहाव जारी है। इस बहते पानी से एक ओर जहां जल की बबार्दी हो रही है, वहीं दूसरी ओर आसपास के क्षेत्र में जलभराव और कीचड़ की समस्या ने ग्रामीणों को मुश्किल में डाल दिया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि खराब वाल्व और ओवरफ्लो की वजह से पानी निरंतर बह रहा है, जिसकी सूचना कई बार संबंधित विभाग को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। मरम्मत के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जा रही है, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है। गांव के कई मोहल्लों में जलभराव के कारण गंदगी फैल रही है और कीट-पतंगों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं की गई तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। एक ओर सरकार जल संरक्षण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर अरसिया जैसे गांवों में पेयजल का इस तरह बहाव विभाग की उदासीनता को दशार्ता है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द खराब हैंडपंप और बोरवेल की मरम्मत कर पानी की बबार्दी रोकी जाए।

कोरिया जिले में घटिया सड़क मरम्मत कार्य पर ग्रामीणों में आक्रोश

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के डामरीकरण सड़कों में मिट्टी डालकर खाना पूर्ति, जांच की मांग

कोरिया बैकुंठपुर। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कोरिया जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में सड़कों की मरम्मत का कार्य चल रहा है, लेकिन इस योजना के अंतर्गत हो रहे कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय ठेकेदारों द्वारा डामरीकरण सड़कों में मिट्टी डालकर खानापूर्ति की जा रही है। इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही सड़क मरम्मत की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया है।

घटिया निर्माण पर ग्रामीणों का विरोध

ग्राम पंचायत सलका, बस्ती, पटना, और आसपास के कई गांवों में हाल ही में मरम्मत के नाम पर डामरीकरण सड़कों पर केवल मिट्टी डालकर काम पूरा कर दिया गया है। डामर की परत तक नहीं डाली गई, और जहां डाली भी गई, वहां वह महज कुछ दिनों में उखड़ने लगी है। कई ग्रामीणों ने बताया कि सड़कों की मरम्मत का कार्य केवल दिखावा है। कार्यस्थल पर कोई तकनीकी निगरानी नहीं है और ठेकेदार मनमाने ढंग से काम करवा रहे हैं।

सड़क बनी दलदल, बारिश में और बढ़ी मुश्किल

बरसात शुरू होने के साथ ही इन सड़कों की हालत और खराब हो गई है। जहां मरम्मत की गई थी, वहां अब कीचड़ और दलदल का रूप ले चुका है। ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है, और बाइक या चार पहिया वाहनों से गुजरना तो और भी जोखिमभरा हो गया है। बच्चों का स्कूल जाना, मरीजों को अस्पताल ले जाना और ग्रामीणों का बाजार आना-जाना अब चुनौती बन चुका है।

ठेकेदारों की मनमानी और विभाग की चुप्पी

स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि ठेकेदारों को विभागीय अधिकारियों की मौन ठेकेदारों को भ्रष्टाचार करने की खुली छूट दे रखी है। विभाग के द्वारा कराए जा रहे हैं घटिया निर्माण की जांच कराए जाने की आवश्यकता है।

बेकाबू कार ने रौंदे 5 लोग, दो की मौत, चालक गिरफ्तार इंदिरा चौक व बुधवारी रोड पर हुआ हादसा

कोरबा अम्बिकावाणी – कोरबा शहर में ०३ जुलाई गुरुवार रात बेकाबू स्विफ्ट कार ने दो अलग-अलग स्थानों पर पांच लोगों को कुचल दिया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। हादसा इंदिरा चौक से बुधवारी रोड के बीच हुआ। पुलिस के अनुसार, राहुल यादव (२२), निवासी कोहड़िया, कार से तेज रफ्तार व लापरवाही से चला रहा था। उसने पहले मोहम्मद इसराईल, विशाल बड़ा और छोटेलाल साहनी को टक्कर मारी, फिर रवि कंवर और एक बच्चे को भी रौंद डाला। इसके बाद कार खंभे से टकरा गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां मोहम्मद इसराईल और छोटेलाल साहनी की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

कोरबा में कानून-व्यवस्था को लेकर कलेक्टर एवं एसपी की संयुक्त समीक्षा बैठक

सभी अधिकारियों को सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी। जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री वसंत ने बैठक में कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए और लोक शांति भंग करने वाले तत्वों पर सख्ती से नजर रखी जाए। सभी एसडीएम, एसडीओपी और थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करने और अधीनस्थ अमले को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सूचना तंत्र को मजबूत करते हुए स्थानीय स्तर पर समस्याओं के त्वरित निराकरण पर बल दिया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने अधिकारियों से कहा कि वे असामाजिक तत्वों और अवांछनीय गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें और ऐसी गतिविधियों पर तुरंत व सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने आपसी समन्वय और त्वरित सूचना आदान-प्रदान की जरूरत पर भी जोर दिया। बैठक में संयुक्त रणनीति के तहत कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा गया कि विभागीय तालमेल से ही कानून व्यवस्था को प्रभावी रूप से बनाए रखा जा सकता है। बैठक में सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, अपर कलेक्टर मनोज बंजारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, समस्त एसडीएम, एसडीओपी, थाना प्रभारी तथा राजस्व व पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लगातार बारिश से टूटा स्टॉप डैम, 20 एकड़ खेत लबालब

100 से अधिक किसानों की सिंचाई व्यवस्था पर संकट

कोरबा अम्बिकावाणी – जिले के करतला विकासखंड अंतर्गत ग्राम गिरांव में लगातार हो रही बारिश के कारण स्टॉप डैम टूट गया। बीते तीन दिनों में क्षेत्र में औसतन १५.१४ मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिसके चलते डैम के ओवरफ्लो से तेज बहाव में पानी खेतों में फैल गया। स्टॉप डैम टूटने से लगभग २० एकड़ से अधिक खेतों में पानी भर गया है, जिससे फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, यह डैम गिरांव के किसानों के लिए सिंचाई का मुख्य स्रोत था, जिससे १०० से अधिक किसान लाभान्वित होते थे। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि डैम की मरम्मत शीघ्र कराई जाए एवं किसानों को होने वाले नुकसान का आंकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए।

बांकीमोंगरा में भुसड़ीपारा सब-स्टेशन के पास मिला युवक का शव, डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम मौके पर, आरोपी की तलाश जारी

कोरबा अम्बिकावाणी – कोरबा जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र की बांकीमोंगरा बस्ती में एक युवक की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अयोध्यापुरी जैलगांव निवासी अश्वनी पाठक उर्फ पिंटू (४० वर्ष) के रूप में की गई है। शुक्रवार दोपहर अश्वनी, बस्ती में रहने वाले एक युवक के साथ निकला था, जिसके बाद वह लापता हो गया। देर शाम भुसड़ीपारा सब-स्टेशन के पास उसकी खून से लथपथ लाश मिली, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

शव पर चाकू से किए गए गहरे वारों के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। मृतक के परिजनों के मुताबिक, वह बस्ती के ही एक युवक के साथ घर से निकला था, जिसकी पहचान की जा चुकी है और उसकी तलाश की जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और आरोपियों की धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

जनसंपर्क विभाग में सुरजीत और मनीष को मिली पदोन्नति, मनीष का स्थानांतरण बालोद

कोरबा अम्बिकावाणी – जनसंपर्क विभाग द्वारा विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों की पदोन्नति सूची जारी की गई है। जशपुर जिले में अपनी सेवाएं देकर जिला जनसंपर्क कार्यालय कोरबा में २०२३ से पदस्थ सहायक सूचना अधिकारी सुरजीत सिंह चौहान को सहायक जनसंपर्क अधिकारी के रूप में पदोन्नति मिली है। उन्हें कोरबा जिला जनसंपर्क कार्यालय में ही पदोन्नति दी गई है। इसी तरह जिला जनसंपर्क कार्यालय कोरबा के मनीष यादव को सहायक ग्रेड ३ के रूप में पदोन्नति देकर बालोद जिले में स्थानांतरित किया गया है। मनीष यादव २०१७ से कोरबा जिला कार्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे थे। दोनो की पदोन्नति पर जिला जनसंपर्क अधिकारी कमलज्योति ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि विभागीय दायित्वों का निर्वहन करने में इनकी भूमिका सराहनीय है।

रेलवे लाइन पुलिया निर्माण स्थल पर काम कर रहा मजदूर बहा, 40 घंटे बाद नाले से मिला शव

झारखंड के पलामू निवासी युवक की एसडीआरएफ और पुलिस टीम ने की तलाश

कोरबा अम्बिकावाणी – कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोरबी में बारिश के चलते दर्दनाक हादसा हो गया। गेवरा-डोंगरगढ़ रेलवे लाइन के निर्माण कार्य में लगा मजदूर उदय कुमार सिंह गुरुवार को तेज बहाव में बह गया था, जिसका शव ४० घंटे बाद रविवार को कुछ दूरी पर नाले से बरामद किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उदय कुमार सिंह, झारखंड के पलामू जिले का निवासी था और कोरबा जिले में गेवरा से डोंगरगढ़ के बीच नई रेलवे लाइन बिछाने के कार्य में लगा हुआ था। गुरुवार दोपहर ग्राम कोरबी में पुलिया निर्माण स्थल के नीचे कार्य के दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई।

इसी दौरान वह बहते पानी के तेज बहाव में आकर नाले में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया। घटना के ४० घंटे बाद युवक का शव नाले से बरामद कर लिया गया है। गौरतलब है कि कोरबा जिले में बीते कुछ दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है। कटघोरा सहित कई क्षेत्रों में नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

Sports Live

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दी कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ, हिंदी में भी उपलब्ध

मणिरत्नम के निर्देशन में बनी फिल्म ठग लाइफ से निमार्ताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। यह फिल्म 5 जून, 2025 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म के हीरो कमल हासन हैं। हालांकि, वह अपना जादू चलाने में असफल रहे। अब ठग लाइफ ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। कमल के जो प्रशंसक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वो अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। नेटफ्लिक्स इंडिया ने इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, यह मौत और रंगाराया शक्तिवेल के बीच की लड़ाई है, देखना चाहते हैं कि कौन जीतता है? इस फिल्म को आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में देख सकते हैं।

पैट कमिंस ने पकड़ा एक हाथ से हैरतअंगेज कैच, वीडियो देख हैरान हुआ वर्ल्ड क्रिकेट

नईदिल्ली,05 जुलाई। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच ग्रेनेडा के नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है. दूसरे दिन के समाप्त तक मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 12 रन के स्कोर पर 2 विकेट खो दिए है. पहली पारी में कंगारुओं ने 286 रन बनाए थे जबकि मेजबान टीम वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रनों पर सिमट गई थी. जिससे ऑस्ट्रेलिया को 33 रनों की लीड मिल गई.

खेल के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने शानदार फील्डिंग का प्रदर्शन किया, और एक हाथ से डाइविंग करते हुए हैरतअंगेज कैच पकड़कर सबको हैरान कर दिया. कैच की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है. जहां हर कोई 32 वर्षीय खिलाड़ी की तारीफ कर रहा है और असंभव कैच को संभव में बलने पर हैरान भी हो रहे हैं.

कमिंस ने ये कैच दूसरे दिन सुबह के 9वें ओवर में अपनी ही गेंद पर लिया था, जब उन्होंने एक अच्छी लेंथ वाली गेंद फेंकी, जिसे वेस्टइंडीज के दाएं हाथ बल्लेबाज केसी कार्टी अच्छे से खेल नहीं सके और गेंद बैट का अंदरूनी किनारा लेकर वहीं विकेट के पास शॉर्ट स्क्वायर पर उछल गई. जिसको कमिंस दौड़ते हुए अपनी दाईं ओर पूरी लंबाई में डाइव लगाते हुए जमीन से कुछ इंच ऊपर एक हाथ से कैच पकड़कर असंभव को संभव में बदल दिया. कमिंस के शानदार कैच को यहां देख सकते हैं.

मैच की बात करें तो वेस्टइंडीज की पहली पारी में 253 रनों पर सिमट गई. ऑस्ट्रेलिया ने जितने गेंदबाजों का इस्तेमाल किया उन सभी ने विकेट निकाले. लेकिन नाथन लियोन 3/75 सबसे सफल गेंदबाजों रहे. जबकि ब्रैंडन किंग ने 108 गेंदों पर 75 रनों की पारी खेलकर वेस्टइंडीज की पहली पारी का नेतृत्व किया. वहीं ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी एलेक्स कैरी (63) और ब्यू वेबस्टर (60) की वजह से 286 रन बना सकी. वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने चार विकेट लेकर प्रभावित किया.

मैच के अभी तीन दिन बचे हैं और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी शुरू हो गई है जिसमें उन्होंने 2 विकेट पर 12 रन बना लिए हैं, जिससे उनकी कुल बढ़त 45 रनों की हो गई है और उनके 8 विकेट अभी भी शेष हैं. अगर मेहमान टीम इस मैच को भी जीत जाती है तो वो सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना लेगी, क्योंकि पहले टेस्ट में मेजबान टीम को हार का सामना करना पड़ा था.

छोटी खबरें

मोहम्मद सिराज ने मचाया धमाल, 2 बॉल में लगातार जो रूट और बेन स्टोक्स को किया आउट

बर्मिंघम,05 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है. तीसरे दिन की शुरूआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने धमाल मचा दिया.

इस मैच में भारत को अपनी स्थिति तीसरे दिन इंग्लैंड के सामने और मजबूत बनाने के लिए जो रूट, हैरी ब्रुक और बेन स्टोक्स जैसे बल्लेबाजों के विकेट जल्दी चाहिए थे. क्योंकि ये खिलाड़ी भारत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं. लेकिन सिराज ने अपने बेहतरीन गेंदबाजी से तीसरे दिन के दूसरे ओवर में ही गेंद के साथ तबाही मचा दी.

सिराज ने तीसरे दिन के अपने पहले ओवर में लगातार दो बॉल में दो खिलाडि ?ों को पवेलियन की राह दिखाकर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी. सिराज ने ओवर की तीसरी बॉल पर जो रूट (22) और चौथी बॉल पर बेन स्टोक्स (0) को पवेलियन भेज दिया. इन दिनों ही खिलाडि ?ों के कैच विकेट के पीछे ऋषभ पंत ने पकड़े.

सिराज अब तक मैच में 3 विकेट चटका चुके हैं. उन्होंने दूसरे दिन जैक क्रॉली (19) को भी करुण नायर के हाथों कैच आउट कराया था. इन दोनो विकेट से साथ ही भारत ने इंग्लैंड का स्कोर 85 पर पांच कर दिया. इस समय इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रुक और जेमी स्मिथ बल्लेबाजी कर रहे हैं. इससे पहले इस मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड की पारी के तीसरे और अपने दूसरे ओवर में आकाशदीप ने इंग्लैंड को लगातार दो बॉल पर दो झटके देकर बैकफुट पर धकेल दिया था. आकाशदीप ने बेन डकेट (0) और ओली पोप (0) को पवेलियन भेजा था. डकेट शुभमन गिल को जबकि पोप केएल राहुल को कैच थमा बैठे थे.

इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 10 विकेट खोकर 151 ओवर में 587 रन बनाए. भारत की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने दोहरा शतक लगाया. उन्होंने 387 बॉल में 30 चौके और 3 छक्कों की मदद से 269 रनों की शानदार पारी खेली.

भारत के लिए शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल ने 87, रविंद्र जडेजा ने 89 और वाशिंगटन सुंदर ने 42 और करुण नायर ने 31 रनों का योगदान दिया. इंग्लैंड के लिए शोएब बशीर ने 3 विकेट लिए, जबकि जोश टंग और क्रिस वोक्स ने 2-2 विकेट चटकाए. बेन स्टोक्स, ब्रायडन कार्स, जो रूट ने 1-1 विकेट हासिल किया.

400 प्लस रन बनाने के बावजूद इंग्लैंड के नाम जुड़ा ये शर्मनाक रिकॉर्ड

0-सिराज-आकाश ने रचा इतिहास

बर्मिंघम,05 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 407 रनों पर सिमट गई. जिसकी वजह से भारत को पहली पारी के आधार पर 180 रनों की बड़ी बढ़त हासिल हो गई. भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे. तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट खोकर 64 रन बना लिए हैं. जिसके साथ उसकी कुल लीड 244 रनों की हो गई है. केएल राहुल 28 और करुण नायर 7 बनाकर खेल रहे हैं.जायसवाल 22 गेंद पर 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, लेकिन उन्होंने वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. जायसवाल अब इन दो महान बल्लेबाज के साथ भारत के तीसरे सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए है. उन्होंने ये उपलब्धि 40 पारियों में हासिल की.

इंग्लैंड की पहली पारी में केवल पांच बल्लेबाज ही अपना खाता खोल सके. उसमें से दो बल्लेबाजों ने 407 के टोटल स्कोर में से 300 से ज्यादा रन बनाए. जिसमें हैरी ब्रूक के 158 और विकेटकीपर जेमी स्मिथ के नाबाद 185 रन शामिल थे. इसके अलावा 6 बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल सके. जिसकी वजह से मेजबान टीम के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड जुड़ गया और वो टेस्ट इतिहास में 400 से अधिक रन बनाने के बावजूद अपने 6 बल्लेबाजों को शून्य पर खोने वाली पहली टीम बन गई. मेन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के बावजूद भारतीय तेज गेंदबाजों ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की. खास तौर पर मोहम्मद सिराज और अकाश दीप ने इंग्लैंड टीम को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया. दोनों ने पूरे 10 विकेट चटकाए. सिराज 6 तो आकाश 4 विकेट लेने में कामयाब रहे. इस के साथ ये दोनों तेज गेंदबाज एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले चौथे भारतीय सलामी गेंदबाज बन गए है.इससे पहले ये कारनामा 1981 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कपिल देव (5 विकेट) और करसन घावरी (5 विकेट) ने किया था. उसके बाद 1981 में हीं मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ कपिल देव (5) और मदन लाल (5) ने किया, फिर 1983 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में कपिल देव (9) और बलविंदर संधू (1) ने किया और अब 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ आकाशदीप (4) और मोहम्मद सिराज (6) ने किया.

रामायण का पहला प्रोमो वीडियो रिलीज, भगवान राम के रोल में छाए रणबीर कपूर, तो रावण बने यश का दिखा विराट रूप

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर और साउथ के मेगास्टार यश स्टारर रामायण का फर्स्ट लुक देखने के लिए दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे. अब आखिरकार सबका इंतजार खत्म हुआ. बॉलीवुड की इस बड़े बजट की एपिक सागा का फर्स्ट लुक सामने आ गया है. रामायण का टीजर भारत के नौ शहरों यानी मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, पुणे और कोच्चि में लॉन्च किया गया भारतीय सिनेमा के इतिहास में शायद यह पहली फिल्म है जिसका फर्स्ट लुक या टीजर देश के 9 शहरों में एक साथ दिखाया गया है. इतना ही नहीं टीजर 3 मिनट लंबा है, जो कि आमतौर पर ट्रेलर की लंबाई होती है.

यश ने इस टीजर को अपने इंस्टाग्राम पर रिलीज करते हुए लिखा, दस साल की आकांक्षा, दुनिया के सामने अब तक के सबसे महान महाकाव्य को लाने का अथक दृढ़ संकल्प, दुनिया के कुछ बेहतरीन लोगों के साथ यह सुनिश्चित करने का नतीजा कि रामायण को सबसे ज्यादा श्रद्धा और सम्मान के साथ पेश किया जाए. सबसे पहले आपका स्वागत है, आइए राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं. हमारा सच, हमारा इतिहास.

रामायणम का टीजर शानदार है, टीजर में सभी अहम किरदारों की पुष्टी कर दी गई है. एपिक माइथोलॉजिकल सागा में राम के रूप में रणबीर कपूर, सीता के रूप में साई पल्लवी, रावण के रूप में यश, लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे, हनुमान के रूप में सनी देओल नजर आएंगे. साथ ही फिल्म का म्यूजिक ए आर रहमान और हंस जिमर ने दिया है जो शानदार लग रहा है. आखिर में रणबीर कपूर और यश की झलक दिखाई गई है. यश रावण के रूप में काफी खौफनाक लग रहे हैं. रामायण के पहले भाग की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरे भाग की शूटिंग अगस्त 2025 में शुरू होगी. पहला भाग दिवाली 2026 पर और दूसरा भाग दिवाली 2027 पर रिलीज किया जाएगा. दो भागों वाली यह गाथा कई हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर्स के बजट के बराबर ही बनाई जा रही है. नमित मल्होत्रा का ऑस्कर विजेता वीएफएक्स बैनर के साथ इसे बनाया जा रहा है. पहली झलक दिखाने के बाद, रामायण की टीम 7 मिनट का विजुअल शोरील दिखाएगी, इसे फिल्म की थिएट्रिकल रिलीज के करीब रिलीज किया जाएगा, जो कि दिवाली 2026 है.

भारत में हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी और हर 40 दिन में एक नया हवाई अड्डा बना : नागरिक उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली ,05 जुलाई । केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि हर 40 दिन में एक नए हवाई अड्डे के साथ देश में मात्र 10 वर्षों में 88 नए हवाई अड्डे बने हैं और हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, आज भारत में उड़ान भरना अधिक सुलभ और किफायती हो चुका है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय आकाश अधिक जुड़ा हुआ, प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक है। उन्होंने समावेशी विमानन विकास को प्राप्त करने के लिए सहयोगात्मक, राज्य-विशिष्ट रणनीतियों के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता दोहराई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र नागरिक उड्डयन मंत्रियों का सम्मेलन 2025 में केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस रणनीतिक पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य क्षेत्रीय अवसरों की पहचान करना और टियर 2 और 3 श्रेणी के शहरों की अपार क्षमता को साकार करना है। कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र राज्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

------------------------- व्यापार -------------------------

भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

रियो डी जेनेरियो ,05 जुलाई । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत एक अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर पर प्रभाव पैदा करने वाले देश के रूप में अपनी दोहरी भूमिका के साथ न केवल अपने लिए बल्कि अपनी आकांक्षाओं को साझा करने वाले सभी लोगों के लिए परिवर्तन का नेतृत्व करते हुए मजबूत स्थिति में है। आधिकारिक यात्रा के दौरान 'चैलेंजेस फॉर फाइनेंसिंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर द ग्लोबल साउथइ विषय पर फ्लैगशिप 'गवर्नर्स सेमिनारइ को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि ग्लोबल साउथ में सस्टेनेबल डेवलपमेंट को वित्तपोषित करना केवल धन जुटाने के बारे में नहीं है, यह निष्पक्षता, विश्वास और नेतृत्व का निर्माण करने से भी जुड़ा है। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा, भारत के लिए, लाखों लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विकास में तेजी लाना आवश्यक है। साथ ही, हीटवेव, वॉटर स्ट्रेस और एक्ट्रीम वेदर की घटनाओं जैसे जलवायु संबंधी जोखिम भी बढ़ रहे हैं। भारत 'नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशनइ और प्रांत-स्तरीय जलवायु कार्रवाई योजनाओं जैसी पहलों के माध्यम से उन्हें इंटीग्रेट करने के लिए तेजी से काम कर रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा, वास्तविक चुनौती डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी के बीच चयन करना नहीं है, बल्कि खास तौर पर उभरते बाजारों और विकासशील देशों (ईएमडीई) के साथ साझेदारी में ऐसी नीतियां तैयार करना है, जो समावेशी विकास को बढ़ावा दें और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को मजबूत करें। वित्त मंत्री ने आगे कहा, जैसा कि हम 2030 के एजेंडे की ओर प्रयास कर रहे हैं, कोरोना महामारी के बाद विकासशील देशों में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) के लिए वित्तपोषण का अंतर सालाना 4.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, जो महत्वाकांक्षा और वास्तविकता के बीच बढ़ते अंतर को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, भारत एक अनोखे चौराहे पर खड़ा है। एक अरब लोगों की आकांक्षाएं तेजी से बदलते ग्रह की अनिवार्यताओं के साथ मिलती हैं। भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना और गति एक साथ चल सकते हैं। यूपीआई, आधार और जन धन जैसी परिवर्तनकारी नीतिगत पहलों के माध्यम से, देश ने वित्तीय समावेशन को अंतिम मील तक पहुंचाया है। वित्त मंत्री ने कहा, गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन में तेजी लाने के लिए 220 गीगावाट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता की स्थापना जैसे कार्यक्रमों से हमारी नीति इकोसिस्टम को मजबूती मिली है। हाल के वर्षों में, भारत ने सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड, ईएसजी डिस्क्लोजर मेनडेट और क्लाइमेट फाइनेंस के लिए प्रपोज्ड टैक्सोनॉमी जैसी पहलों के माध्यम से ग्रीन फाइनेंस के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है।

यूट्यूब अपनी मोनेटाइजेशन पॉलिसी में करने जा रहा बड़ा बदलाव, अब ऐसे वीडियो के नहीं मिलेंगे पैसे

नई दिल्ली ,05 जुलाई । यूट्यूब अपनी मोनेटाइजेशन पॉलिसी में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अब ऐसे क्रिएटर्स पर शिकंजा कसा जाएगा जो बार-बार एक जैसे, बिना मेहनत के और एआई वीडियो अपलोड करते है। यह बदलाव 15 जुलाई से होने वाले है।

दूसरे का कंटेंट उठाकर थोड़ा सा बदलना अब नहीं चलेगा। वीडियो को इतना बदला जाना चाहिए कि वो नया और आपका खुद का लगे। रिपेटेटिव वीडियो पर लगेगी रोक, बार-बार एक जैसे टेम्पलेट्स में बने वीडियो, रोबोट जैसी आवाजे, बिना जानकारी या एंटरटेनमेंट के वीडियो की अब इनकी पहचान की जाएगी। ड्ढशह्वञ्जह्वड्ढद्ग चाहता है कि प्लेटफॉर्म पर असली, नया और दिलचस्प कंटेंट हों. इसी लिए ड्ढशह्वञ्जह्वड्ढद्ग क्कड्डह्म्ह्लठ्ठद्गह्म् क्कह्म्शद्दह्म्ड्डद्वद्व (ङ्घक्कक्क) में अब रिपेटेटिव और मास-प्रोड्यूस्ड कंटेंट की जांच और कड़ी की जा रही है। हालांकि ड्ढशह्वञ्जह्वड्ढद्ग ने ्रढ्ढ का नाम नहीं लिया है, लेकिन माना जा रहा है कि ्रढ्ढ से बने वीडियो जिनमें मानवीय टच नहीं होता, जैसे कि ऑटो-जनरेटेड आवाजें और रिएक्शन, वो भी इस सख्ती की चपेट में आ सकते हैं।

भारत 153 देशों को निर्यात करता है खिलौने, सरकार एक और प्रोत्साहन योजना लाने की तैयारी में : पीयूष गोयल

नई दिल्ली ,05 जुलाई । केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का खिलौना उद्योग, जो कभी आयात पर बहुत अधिक निर्भर था, अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है। 16वें 'टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025इ को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और लोकल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को मजबूत करने के माध्यम से संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के कार्यान्वयन ने भारत को गुणवत्ता के प्रति जागरूक देश बनाने में मदद की है और घरेलू खिलौना निमार्ताओं को वैश्विक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक विशाल कैप्टिव बाजार प्रदान करती है, जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ पैदा करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए आधार का काम भी करता है।

उन्होंने बताया कि सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय खिलौना निमार्ताओं की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाकर, गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित कर, पैकेजिंग मजबूत कर और ब्रांड निर्माण को समर्थन देकर उन्हें विश्व स्तरीय बनने में मदद करना है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने वैश्विक बाजार में आगे आने के लिए उद्योग को अच्छी ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और मजबूत उत्पाद डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि अगर इन तीन पहलुओं को प्राथमिकता दी जाती है तो भारतीय खिलौने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत अपील हासिल कर सकते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकलइ पहल की शुरूआत की थी तो कई लोगों ने इसे संदेह के साथ देखा था, क्योंकि विदेशी उत्पाद उपभोक्ता की पसंद पर हावी थे। हालांकि, 'आत्मनिर्भर भारतइ के विजन और इस विश्वास के तहत कि स्थानीय वैश्विक हो सकता है, घरेलू उद्योगों के लिए जागरूकता और समर्थन लगातार बढ़ा है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि खिलौनों की इनोवेटिव अवधारणाएं विकसित करने वाले स्टार्टअप्स को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है, जिसे अब 20 वर्ष तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे छोटे व्यवसायों के लिए कोलेटेरल-फ्री लोन तक पहुंच सुनिश्चित हुई है। साथ ही घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई मंत्रालय द्वारा देश भर में 18 खिलौना क्लस्टरों को समर्थन दिया गया है।

करेंट की संपर्क में आया युवक मौत

बिश्रामपुर लटोरी पुलिस चौकी के ग्राम संबलपुर चंदौरीडाड़ निवासी २५ वर्षीय युवक बृजलाल पिता बुधराम की करेंट की चपेट आकर मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि मृतक अपने घर में बूढ़ी मां के साथ रहता था और टेंट हाउस में मजदूरी का कार्य करता था जो गत ३० जून को घर से काम पर निकला था शनिवार को उसका शव घर के बाहर पड़ा मिला ।उसके शरीर के ऊपर बिजली का तार व प्लास पड़ा था अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक अपने घर की बिजली बनाते वक्त करेंट की चपेट में आया होगा जिससे उसकी मौत हुई होगी।पुलिस ने मामले में शव पंचनामा पीएम उपरांत मर्ग कायम किया है।

विधानसभा की कार्यवाही से आमजनों को अवगत कराने में संसदीय पत्रकार निभाते हैं बड़ी भूमिका : मुख्यमंत्री

00 छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा में संसदीय पत्रकारों का योगदान अतुलनीय : विस अध्यक्ष डॉ. सिंह
00 मुख्यमंत्री संसदीय पत्रकारिता विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा परिसर के प्रेक्षागृह में संसदीय रिपोर्टिंग विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य और विधानसभा के रजत जयंती वर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश विधानसभा ने भी 25 वर्षों की गौरवमयी यात्रा पूरी की है और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि हाल ही में विधायकों के लिए भी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था, जिसका लाभ हमारे सदस्यों को मिला है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में अनेक नवनिर्वाचित विधायक भी हैं, जिनकी यह जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन में उठाएं। इसी तरह पत्रकारों की भी अहम भूमिका है, जो विधानसभा की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी पत्रकार बंधु बड़ी मेहनत से विधानसभा की कार्यवाही को कवर करते हैं, जिससे आमजन यह जान पाते हैं कि विधायकों द्वारा उनके मुद्दों को गंभीरता से उठाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा उत्कृष्ट पत्रकारों को सम्मानित करने की परंपरा को भी सराहा और कहा कि इससे पत्रकारों का मनोबल बढ़ता है तथा संसदीय रिपोर्टिंग को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कार्यशाला पत्रकारों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी और इसके माध्यम से विधानसभा की गतिविधियां और अधिक प्रभावी रूप से जनता तक पहुंचेंगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने संबोधन में संसदीय पत्रकारिता की महत्ता बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा में पत्रकारों का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि संसदीय पत्रकारिता अत्यंत संवेदनशील दायित्व है, जो सदन की गोपनीयता, अनुशासन और गरिमा को बनाए रखते हुए जनता तक सटीक एवं निष्पक्ष जानकारी पहुंचाने का कार्य करती है। डॉ. सिंह ने कहा कि पत्रकार जब पक्ष-विपक्ष से परे रहकर निष्पक्ष रूप से विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन करते हैं और उसे प्रस्तुत करते हैं, तब लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणाली की गहरी समझ से ही पत्रकार बेहतर ढंग से जनता को विधानसभा की गतिविधियों से अवगत करा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संसदीय पत्रकारिता में विशेष रूप से विधानसभा की प्रक्रिया से जुड़े समाचारों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना आवश्यक है, ताकि आमजन तक वे प्रभावी ढंग से पहुंच सकें। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ एवं दिवंगत पत्रकारों का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि प्रदेश की पत्रकारिता परंपरा ने सदैव विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कार्यशाला में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने पत्रकारों की भूमिका को नारद मुनि की परंपरा से जोड़ते हुए कहा कि पत्रकार समयबद्धता और सजगता के साथ लोकतंत्र के संवाहक होते हैं। डॉ. महंत ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से सभी को कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा और संसदीय पत्रकारिता को समझने का दायरा और व्यापक होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन उपयोगी सिद्ध होगा और पत्रकारों के कार्य को नई दिशा देगा। उन्होंने अपनी लंबी संसदीय यात्रा का स्मरण करते हुए कहा कि इस दौरान पत्रकारों के साथ बिताए गए समय और अनुभव अत्यंत मूल्यवान रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों की सजगता, सटीकता और संवेदनशीलता की सराहना की, जो वर्षों से संसदीय गतिविधियों को जनता तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, विधानसभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा, आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक श्री संजय द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

बिश्रामपुर में सदस्यता सत्यापन 17एवं 18 जुलाई को

बिश्रामपुर – एसईसीएल बिश्रामपुर प्रबंधन द्वारा शनिवार को क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक बुलाई गई।बैठक में आगामी नौ जुलाई को चार श्रम संगठनों द्वारा कोयला उद्योग में बुलाए गए राष्ट्र व्यापी हड़ताल सहित श्रम संगठनों की वार्षिक सदस्यता सत्यापन को लेकर विचार मंथन हुआ।क्षेत्रीय महाप्रबंधक की अगुआई में आयोजित बैठक में आगामी नौ जुलाई को राष्ट्र व्यापी हड़ताल से क्षेत्र को होने वाले नुकसान पर विस्तार से चर्चा हुई जीएम ने श्रम संघों को हड़ताल वापस लेने उत्पादन में सहयोग करने अपील की गई।इस दौरान श्रम संगठनों के वार्षिक सदस्यता सत्यापन की तिथि का निर्धारण जेसीसी सदस्यों की सहमति पर किया गया जिसके तहत निर्णय लिया गया कि बिश्रामपुर क्षेत्र में दो दिवसीय सदस्यता सत्यापन १७ एवं १८ जुलाई २०२५ को होगा। इन दो दिनों में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को अलग से २५ जुलाई २०२५ को सदस्यता सत्यापन का अवसर प्रदान किया जाएगा। जो कर्मचारी १७ से लेकर २५ जुलाई तक अधिकृत छुट्टी रहेंगे उन्हें छुट्टी पर जाने के पूर्व अंतिम कार्य दिवस के दिन कार्मिक प्रबंधक के पास व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आवेदन के साथ ऑप्शन देने का अवसर दिया जाएगा। सदस्यता सत्यापन के संबंध में यह भी तय किया गया कि जिस कर्मचारी का जहां बिलिंग होता है वहीं सदस्यता का सत्यापन होगा। क्षेत्रीय मुख्यालय में सदस्यता सत्यापन का समय १०:०० बजे सुबह से १:०० बजे तक रहेगा। वही अन्य सभी इकाइयों द्वारा समय एवं स्थान यूनिट की जेसीसी की बैठक में तय किया जाएगा। बैठक में प्रबंधन की ओर से जीएम संजय सिंह, स्टॉफ ऑफिसर ई एंड एम विजय प्रसाद प्रबंधक एच आर एसकेपी शिंदे, हरेंद्र तिवारी सहित बीएमएस, एचएमएस, इंटक, एटक, सीटू यूनियन के संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बीरबल राम, शमीम अली ने सीटू से दिया इस्तीफा

बिश्रामपुर – श्रम संगठनों के वार्षिक सदस्यता सत्यापन की तिथि ज्यों ज्यों निकट आ रही है वैसे ही कर्मियों का पाला बदलने का सिलसिला जारी है। भटगांव क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में दूसरे यूनियन के लोगों ने बीएमएस की सदस्यता ली है। इसी क्रम में आज बिश्रामपुर क्षेत्र में सीटू यूनियन के दो पदाधिकारियों बीरबल राम व मो शमीम अली ने इस्तीफा दे दिया है।सीटू के क्षेत्रीय सचिव, अध्यक्ष के नाम भेजे इस्तीफा में दोनों ने उल्लेख किया है कि संगठन के क्रिया कलापों से असंतुष्ट होकर हम संगठन की सदस्यता सहित संगठन के सभी पदों से इस्तीफा दे रहे है। सीटू यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष डीएस सोढ़ी ने बताया कि डेढ़ वर्ष पूर्व इस्तीफा देने वाले दोनों सदस्यों को गुटबाजी के आरोप में संगठन से निष्काशित किया गया था बाद में दोनों को माफीनामा के साथ सीटू की सदस्यता दी गई थी। सोढ़ी ने बताया कि आज दोनों के इस्तीफा देने के बाद उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है।

मंडल के सभी रेलवे अंडरपास में जलभराव को लेकर की जा रही विशेष निगरानी

बिश्रामपुर – रेल प्रबंधन द्वारा वर्तमान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे अंडरपास में जलभराव की समस्या से निपटने हेतु विशेष निगरानी एवं आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। मंडल रेल प्रबंधक राजमल खोईवाल के निदेर्शानुसार संबंधित विभागों द्वारा लगातार निरीक्षण कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इस क्रम में मंडल के १८ चिन्हित रेलवे अंडरपास में निगरानी हेतु कर्मचारी तैनात किये गए हैं जिनके द्वारा २४ घंटे नियमित रूप से पानी के लेवल की निगरानी की जा रही है । जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ ही पंपिंग सेट, जेटिंग मशीन तथा अन्य उपकरणों की व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत जल निकासी की जा सके। बिलासपुर स्टेशन यार्ड के दोनों छोर के अंडर ब्रिज में पानी के लेबल के अनुसार कार्य करने वाली आटोमेटिक विद्युत पम्प की सुविधा उपलब्ध है। यद्यपि अंडरब्रिज निर्माण करते समय ग्रेविटी फ्लो आफ वाटर को ध्यान में रखा जाता है जिससे पानी अंडर ब्रिज में नहीं ठहरता, फिर भी तेज बारिश के समय जल भराव होने पर पंप की सहायता से उसे निकाला जाता है जिससे राहगीरों को आवागमन में व्यवधान न हो एवं सुगम आवागमन संभव हो सके। अंडर ब्रिजों की दीवारों पर जल स्तर के पैरामीटर दर्शाए गए हैं, और वहां संबंधित रेल पर्यवेक्षकों मोबाइल नंबर भी अंकित किया गया है ताकि राहगीरों द्वारा आवश्यकता होने पर तुरंत संपर्क किया जा सके। रेल प्रबंधन ने आमजन से अपील की है कि भारी वर्षा के दौरान अंडरपास का प्रयोग करने से पूर्व पूरी सतर्कता बरतें तथा जलभराव अथवा किसी भी समस्या या असुविधा की स्थिति में बोर्ड में प्रदर्शित नंबरों पर संपर्क करें।

डीके स्वाई जोनल अध्यक्ष, लक्ष्मी नारायण महामंत्री चुने गए

बिश्रामपुर – नागपुर में ०२ व ०३ जुलाई २०२५ को आयोजित रेलवे मजदूर कांग्रेस के दो द्विवार्षिक अधिवेशन में रेल कर्मचारियों के हितों में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। इस दौरान अधिवेशन में दो दर्जन केन्द्रीय पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया।जिसमें डी. के. स्वाइन को जोनल अध्यक्ष व पीतांबर लक्ष्मी नारायण महामंत्री निर्वाचित घोषित हुए हैं। जोनल अध्यक्ष डी.के. स्वाइन पूर्व जोनल अध्यक्ष तपन चटर्जी के इस्तीफे से खाली पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। रेलवे मजदूर कांग्रेस ने इस बाबत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की नागपुर में रेलवे मजदूर कांग्रेस के अधिवेशन में बिलासपुर, नागपुर, रायपुर के डेलीगेट, जनरल काउंसिल मेंबर, केन्द्रीय पदाधिकारी शामिल हुए। प्रथम दिवस ०२ जुलाई को खुला अधिवेशन में मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी बिलासपुर आदित्य कुमार, विशिष्ट अतिथि मंडल रेल प्रबंधक नागपुर दीपक कुमार गुप्ता, सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ मुंबई के अध्यक्ष प्रवीण बाजपेई, वेस्ट सेंट्रल रेलवे संघ के महामंत्री अशोक शर्मा उपस्थिति रहे। सभा को सभी अतिथियों ने संबोधित किया। ०३ जुलाई द्वितीय सत्र सम्मेलन में रेल कर्मचारियों के हित में प्रमुख प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें ओल्ड पेंशन स्कीम पेंशन की बहाली, वर्तमान युपीएस के प्रस्ताव को ना मंजूर करना, सेफ्टी से जुड़े रेलवे के खाली पदों को तत्काल भरना, सभी प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल में वीआईपी रेस्ट हाउस में कर्मचारियों को बुक करने का अधिकार दिलाना, अनुकंपा नियुक्ति में मृत कर्मचारी की विधवा को बिना परीक्षा लिए योग्यता के आधार पर ग्रुप सी में नियुक्त करना, निजीकरण पर रोक,रेल कर्मचारी के माता पिता को मेडिकल सुविधा एवं रेलवे यात्रा पास की सुविधा उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव अधिवेशन में पारित किया गया। द्विवार्षिक अधिवेशन में इन्हें मिली जिम्मेदारी केन्द्रीय पदाधिकारी रुप में रुप में निर्वाचित पदाधिकारी जिसमें जोनल अध्यक्ष डी. के. स्वाइन, जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र कुमार धल, संयुक्त महामंत्री विजय अग्निहोत्री, बी. कृष्ण. कुमार, डी. विजय कुमार, इंदल दमाहे, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोबरागड़े, जी. एस. आइच, डी.डी. महेश, शुभम उपाध्याय, राजेश सोनकर, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष युवा साई किरण निर्वाचित हुए हैं। उक्त जानकारी रेलवे मजदूर कांग्रेस के करंजी शाखा सचिव पप्पू सिंह ने दी है।

बालकोनगर में आयोजित भगवान जगन्नाथ बहुड़ा यात्रा उत्सव में उमड़े भक्तजन

कोरबा अम्बिकावाणी - उत्कल भारती सेवा समिति, बालको द्वारा भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा यात्रा धूमधाम से आयोजित की गई। बालको के मुख्य प्रचालन अधिकारी आशुतोष द्विवेदी सहित अनेक बालको अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों और नगरवासियों ने धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। ५ जुलाई को तीनों भाई-बहन महाप्रभु जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा बहुड़ा यात्रा के दौराम गुंडिचा मंदिर (रामलीला मैदान) से अपने घर (राम मन्दिर) वापस आएं।

आशुतोष द्विवेदी की अगुवाई में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर पुण्य अर्जित किया। रथ के आगे चल रहे कर्मा नर्तकों के दल ने तालबद्ध नृत्य से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बहुड़ा यात्रा बालकोनगर के विभिन्न मार्गों से होते हुई राममंदिर तक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र की स्थापना कर उनकी आराधना की। २७ जून से ०५ जुलाई पूरे ९ दिनों तक मौसी के घर रहकर महाप्रभु जगन्नाथ घर वापस आएं। बालकोनगर में ४४ वर्षों से रथ यात्रा उत्सव आयोजित किए जाने की परंपरा है।

मेन पाइप लाइन फटने से जलमग्न हुआ महावीर नगर

रायपुर। शनिवार की सुबह अचानक से रिंग रोड नंबर 1 में स्थित महावीर नगर के हनुमान मंदिर के पास मेन पाइप लाइन फटने से पूरा इलाका जलमग्न हो गया और इससे लाखों लीटर पानी बर्बाद होकरसड़क पर बह गया। मोटी धार से निकल रहे पानी की वजह से सड़क पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई, करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इस पर नियंत्रण पाया जा सका और इसके बाद फिर से आवागमन शुरू हुआ।

कोरबा में तेज बारिश में बह गया पुल और सड़क. कई गांवों का संपर्क कटा

कोरबा। कोरबा में 20 साल पुराना पुल और सड़क तेज बारिश में बह गया। गेरांव के बांस झर्रा में पुल बहने से बड़मार क्षेत्र का संपर्क कई गांव से कट गया है। मार्ग पर आना जाना बंद हो गया है। बता दें कि इलाके में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर हड़पी शासकीय भूमि

संजयनगर में 7 एकड़ जमीन पर कब्जे की साजिश का मामला हुआ उजागर

बिश्रामपुर – एनएच ४३ किनारे बसे ग्राम पंचायत संजयनगर के पुनर्वास की क्षेत्र में करोड़ों की शासकीय भूमि को हड़पने की एक बड़ी साजिश का पदार्फाश हुआ है। यह मामला तब सामने आया जब लटोरी तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा ने पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट जयनगर थाने में दर्ज कराई है। जयनगर पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराकर ७ एकड़ शासकीय भूमि को अपने नाम पर दर्ज कराने की साजिश रची है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता महादेव मित्रा नामक व्यक्ति द्वारा थाना जयनगर में आवेदन देकर आरोप लगाया कि दो धनंजय मंडल पिता विश्वनाथ मंडल निवासी रविन्द्रनगर और दिलीप दास पिता स्व. सुधीर दास निवासी पीवी-४२, विद्यानगर, पखांजूर ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे मृतक कन्हाईलाल दास व सुधीर दास का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराया है। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि दोनों ही मृत्यु प्रमाण पत्र झूठे शपथ पत्रों और विरोधाभासी जानकारियों पर आधारित थे। शिकायतकर्ता के हवाले से लटोरी तहसीलदार ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट में बताया कि दोनों आरोपियों ने अलग-अलग स्थान और दिनांक दशार्ते हुए मृतकों की मृत्यु से जुड़े दो अलग-अलग शपथ पत्र प्रस्तुत किए। एक तरफ सुधीर दास की मृत्यु १० अगस्त २००१ को ग्राम संजयनगर में बताई गई, वहीं दूसरी ओर उनके पुत्र दिलीप दास द्वारा तहसील पखांजूर में प्रस्तुत शपथ पत्र में मृत्यु १० मई २००१ और स्थान पीवी ४२ दशार्या गया है। उसी तरह कन्हाईलाल दास की मृत्यु कभी रविन्द्रनगर तो कभी संजयनगर में बताई गई। यह भी सामने आया कि ग्राम पंचायत संजयनगर की सरपंच श्रीमती सुमारी ने मृत्यु की पुष्टि करते हुए प्रमाण पत्र में हस्ताक्षर किए, जबकि बाद में जांच के दौरान उन्होंने इस प्रमाण पत्र की जानकारी से इंकार कर दिया। बताया जा रहा है कि जारी हुए फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्रों के आधार पर ग्राम पंचायत संजयनगर स्थित खसरा नंबर ४१७, ४१८ और ४२० की ७ एकड़ शासकीय भूमि को दिलीप दास ने अपने नाम पर करा लिया था। इसका उपयोग मुख्तियारनामा खास के तहत किया गया और छत्तीसगढ़ शासन से आदेश पारित करवा लिया गया। लटोरी तहसीलदार ने बताया कि मामले की जांच प्रतिवेदन में यह स्पष्ट हुआ कि प्रस्तुत किए गए शपथ पत्रों में स्थान और तारीख में भारी विसंगति थी। मृत्यु की पुष्टि करने वाले दस्तावेज ग्राम पंचायत की जानकारी के बिना जारी किए गए थे। पटवारी द्वारा भी विरोधाभासी बयान दिए गए। साक्षियों के बयानों में भी मृत्यु स्थान को लेकर भ्रम की स्थिति थी। तहसीलदार लटोरी सुरेंद्र पैकरा ने उक्त कृत्य को धोखाधड़ी व आपराधिक प्रवृत्ति का कार्य करार देते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि यह प्रकरण सार्वजनिक संपत्ति को ठगों के माध्यम से कब्जाने की सोची-समझी चाल थी। उन्होंने अपने प्रतिवेदन में स्पष्ट रूप से तीन लोगों क्रमशः धनंजय मंडल, दिलीप दास और ग्राम पंचायत संजयनगर की सरपंच श्रीमती सुमारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की बात कही है। लटोरी तहसीलदार ने बताया कि जांच के बाद इन दोनों मृतकों के नाम पर जारी किए गए मृत्यु प्रमाण पत्रों को संदिग्ध व कूटरचित मानते हुए जिला सांख्यिकी अधिकारी की अनुशंसा पर निरस्त कर दिया गया है। इस पूरे मामले के उजागर होने के बाद स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से अपील किया है कि ऐसी धोखाधड़ी की घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ न केवल कठोर कानूनी कार्यवाही हो, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो, इसके लिए नकल प्रमाण पत्रों और भूमि हस्तांतरण प्रक्रियाओं में सख्त निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। लटोरी तहसीलदार की रिपोर्ट पर जयनगर पुलिस ने दो आरोपी रविंद्रनगर निवासी धनंजय मंडल पिता विश्वनाथ मंडल व पीवी ४२ विद्यानगर पखांजूर कांकेर निवासी दिलीप दास पिता सुधीर दास के खिलाफ धारा ४२०, १२० के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

भू माफियाओं की साजिश

ग्रामीणों ने बताया कि कन्हाई लाल दास ने उक्त भूमि को शिकायतकर्ता महादेव मित्रा के पिता को अपनी पूरी जमीन लिखकर वर्षों पूर्व यहां से चला गया था। चूंकि उक्त भूमि एनएच ४३ किनारे है, इस वजह से इसकी कीमत मुंहमांगी मिल सकेगी। इसी सोच के साथ भू माफियाओं की साजिश में फंसकर आरोपियों द्वारा उक्त फजीर्वाड़े की घटना को अंजाम दिया है।

मुख्यमंत्री साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान शिक्षाविद्, दूरदर्शी नेता एवं राष्ट्रीय विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती (6 जुलाई) पर उन्हें नमन करते हुए उनके अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, निस्वार्थ सेवा और अखंड भारत के प्रति अटूट संकल्प का प्रतीक है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व हमें सदैव प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए अभूतपूर्व संघर्ष किया। उन्होंने सामाजिक न्याय को सशक्त करने तथा जन-जन में राष्ट्रीय चेतना का संचार करने में अग्रणी भूमिका निभाई। उनके अद्वितीय प्रयासों और बलिदान के लिए प्रत्येक भारतीय सदैव उनका ऋणी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारत की प्रगति और समृद्धि का स्वप्न देखा था। उन्होंने सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण के लिए कठिन परिश्रम किया। उनका स्पष्ट दृष्टिकोण था कि भारत की एकता किसी भी परिस्थिति में खंडित नहीं होनी

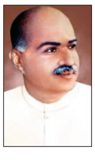

चाहिए। आज भी उनका यह संदेश हमें राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति, शिक्षा और समाज के उत्थान में डॉ. मुखर्जी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को न केवल सिद्धांत में, बल्कि व्यवहार में भी स्थापित किया। उनके विचार आज भी समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं और हमें विकास की दिशा में मार्गदर्शन देते हैं। मुख्यमंत्री कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों का अनुसरण करना ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।उनके सपनों को साकार करने के लिए हम सभी को सामूहिक रूप से योगदान देना होगा। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर हम एक समृद्ध, स्वाभिमानी और सशक्त भारत के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।

छग सहित 14 राज्यों के पुलिस तीरंदाज आएंगे छग, दिखाएंगे अपना कौशल

00 ऑल इंडिया तीरंदाजी पुलिस टूनार्मेंट की मेजबानी करेगा छग पुलिस

रायपुर। दिसंबर माह में होने वाले ऑल इंडिया तीरंदाजी पुलिस टूनार्मेंट की मेजबानी करने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई। छत्तीसगढ़ पुलिस और छत्तीसगढ़ तीरंदाज संघ इसकी तैयारी में अभी से जुट गया है। इस टूनार्मेंट में भिलाई की पुलिस टीम के साथ 14 राज्यों के लगभग 500 से अधिक तीरंदाज पुलिस कर्मी यहां अपना कौशल दिखाने के लिए आने वाले है।

भारतीय तीरदाज संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका ने इस प्रतियोगिता में अखिल भारतीय पुलिस भारोत्तोलन क्लस्टर 2025-26 के (भारोत्तोलन, योग और पावरलिफ्टिंग) में आंध्र प्रदेश पुलिस, 10वां अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर-2025-26 (जूडो, वुशु, ताइक्वांडो, कराटे और पेनकैक सिलाट) जम्मू-कश्मीर पुलिस (श्रीनगर), 74 अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती क्लस्टर-2025 (कुश्ती, मुक्केबाजी, बॉडी बिल्डिंग और आर्म्स कुश्ती) - हरियाणा पुलिस (मधुबन), 29वां अखिल भारतीय पुलिस गोल्फ टूनार्मेंट 2025-26 - असम रायफल (शिलॉग), 69वां अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025-26 (एम एंड डब्ल्यू) - महाराष्ट्र पुलिस (पुणे), 26वीं अखिल भारतीय पुलिस लॉन टेनिस चैम्पियनशिप-2025-26 (जीओ) - हिमाचल प्रदेश पुलिस, 26 अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता-2025-26 (एम एंड डब्ल्यू) - आरपीएफ (जयपुर), 14 अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी चैम्पियनशिप-2025-26 (एम एंड डब्ल्यू) - छत्तीसगढ़ पुलिस (भिलाई), 2 अखिल भारतीय पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर 2025-26 (एम एंड डब्ल्यू) (हैंडबाल और बास्केटबॉल) एसएसबी (सिलीगुड़ी) दार्जिलिंग, 73 अखिल भारतीय पुलिस एक्वेटिक्स क्लस्टर 2025-26 (एमएसडब्लू) (एक्वेटिक्स और क्रॉस कंट्री) एस.वी.एन.पी.ए. हैदराबाद, 26 अखिल भारतीय पुलिस शूटिंग (एआईपीडीएम) प्रतियोगिता-2025-26 (पुरुष) - सी.आर.पी.एफ., जी.सी. गुरुग्राम, हरियाणा, 25 अखिल भारतीय पुलिस जल क्रीड़ा क्लस्टर 2025-26 (एम एंड डब्ल्यू) (कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग) - आई.टी.बी.पी., 16 अखिल भारतीय पुलिस कमांडो प्रतियोगिता-2025-26 - एन.एस.जी. (मानेसर) हरियाणा तथा 44 अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी चैंपियनशिप-2025-26 - बी.एस.एफ. (टेकनपुर, ग्वालियर) के तीरंदाजी खिलाड़ी यहां आएंगे।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित ० प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर०5/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com